मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 109
भोपाल, सोमवार
08 जून 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 भागवत कथा श्रवण से मिटते हैं दु:ख-दर्द, संसार का होता...

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

अजय का आकर्षक अर्धशतक, रितिक और संजोग की... 06

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या में 1 लाख का इनामी बदमाश भानु प्रताप सिंह मुठभेड़ में ढेर

नई दिल्ली। अयोध्या में रविवार देर रात महाराजगंज थाना क्षेत्र में एसटीएफ ने कुख्यात बदमाश व कॉन्ट्रैक्ट किलर भानु प्रताप सिंह को मुठभेड़ में मार गिराया है। बदमाश पर एक लाख का इनाम था। जानकारी के अनुसार रविवार देररात मुठभेड़ के बाद भानू को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मुठभेड़ के बाद भानू को अस्पताल ले जाया गया। जहां मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने एक लाख के इनामी बदमाश भानु प्रताप सिंह को मृत घोषित कर दिया है। यह मुठभेड़ इंस्पेक्टर जेपी राय के नेतृत्व वाली एसटीएफ टीम के साथ हुई थी। एक्सक्लूसिव जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में घायल होने के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बदमाश भानू प्रताप सिंह पर आजमगढ़ से 1 लाख, अंबेडकरनगर से 50 हजार और गोरखपुर से 15 हजार के इनामी इस कॉन्ट्रैक्ट किलर पर 40 से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज थे।

मध्यप्रदेश में थाना प्रभारियों का होगा मंथली एग्जाम

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब सभी थाना प्रभारियों का एक मासिक एग्जाम होगा। जिसमें 22 अलग-अलग पुलिसिंग के मानकों पर ग्रेडिंग की जाएगी। इसमें अगर तीन बार फेल हुए तो उनसे थाने का प्रभार छीन लिया जाएगा। भोपाल कमिश्नररेट में यह व्यवस्था इसी महीने से लागू की जाएगी। जिसके लिए पुलिस विभाग ने 22 विषयों का एक ग्रेडिंग सिस्टम तैयार किया है। यह एग्जाम कुल 100 अंकों का होगा। भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा तैयार किए गए मूल्यांकन मॉडल का उद्देश्य थानों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ना, क्राइम कंट्रोल, लंबित कार्रवाई तेजी लाना है। एग्जाम के दौरान थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, वारंट तमिली, NDPS, आर्म्स एक्ट की कार्रवाई पर अंक मिलेंगे।

दिल्ली में शुरू होगी 'दुर्गा ई-ऑटो योजना', महिलाओं को मिलेगा रोजगार

नईदिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी की महिलाओं और किन्नर समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। बजट में घोषित 'दुर्गा ई-ऑटो योजना' को जल्द शुरू किया जाएगा। योजना के तहत पात्र महिलाओं और किन्नरों को ई-ऑटो उपलब्ध कराकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा।

उड़ता तीर

अंतर्मना उवाच

सफ़र भी छूट जायेगा, शहर भी छूट जायेगा, जहाँ जन्म लिया था तुमने, वह गाँव-नगर भी छूट जायेगा.. जिस आँगन में खेले-कूदे, गिरे-संभले, जिसे छोड़ने की कभी कल्पना भी न की थी.. वह घर-परिवार भी एक दिन छूट जायेगा..!

इसलिए --

- धन की सार्थकता तभी है, जब धर्म के साथ धनार्जन हो।
- संपत्ति की सार्थकता तभी है, जब रिश्ते न टूटें, परिवार न बिखरे।
- विशिष्टता तभी सार्थक है, जब व्यवहार में नैतिक शिष्टता हो।
- रूप की सुंदरता तभी सार्थक है, जब चारित्र शुद्ध हो।

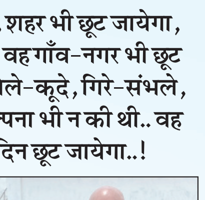

संत भवन, कुशलगढ जिला, बाँसवाडा (राज)। कडक धूप, भीष्ण गर्मी, 42डिग्री तापमान में 60 मिनिट का उत्कृष्ठ तप करते तपस्वी सम्राट अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज

- मंदिर जाना और धर्म करना तभी सार्थक है, जब हृदय में करुणा और दया का भाव बढ़े।
- व्यापार तभी सार्थक है, जब वाणी और व्यवहार मधुर हो।
- ज्ञानी होना तभी सार्थक है, जब ज्ञान के अनुरूप आचरण हो।
- ख्याति, नाम और कीर्ति तभी सार्थक हैं, जब अहंकार सिर पर न चढ़े।
- बुद्धि तभी सार्थक है, जब उसके उपयोग में विवेक हो।
- अतिथि बनना तभी सार्थक है, जहाँ सम्मान और अपनापन हो।
- रिश्ते तभी सार्थक हैं, जब आपस में विश्वास हो।

कभी-कभी अधिक परखने से, अच्छे-अच्छे रिश्ते भी दरक जाते हैं...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

अमृत दर्शन से शुक्ला ने कहा- पब्लिसिटी में मेरा विश्वास नहीं

IPS मिनी शुक्ला की भोपाल ज्वाइनिंग इसी सप्ताह

भोपाल ■ सुरेन्द्र शर्मा

प्रदेश के अन्य जिलों की अपेक्षा राजधानी में नौकरी करना प्रशासनिक अफसरों के लिये आसान नहीं होता है। ऐसा इसलिये क्योंकि शासन और प्रशासन के मुखिया राजधानी में ही रहते हैं और जबाबदारियां काफी अधिक रहती है। विगत दिनों प्रशासनिक फेर बदल के चलते राजगढ़ से आईपीएस मिनी शुक्ला का भोपाल ट्रांसफर कर उन्हें यहां जोन क्र.3 अति. पुलिस उपायुक्त पद पर पदस्थ किया गया है। राजधानी में ज्वाइनिंग कब करेगी, प्राथमिकताएं क्या होगी, वैसे भी आप पहले से ही पुलिस पृष्ठ भूमि की है इसलिये क्या कुछ खास करेगी।

अमृत दर्शन के इन प्रश्नों पर आईपीएस मिनी शुक्ला ने कहा देखती हूं 5-6 दिन में ज्वाइनिंग करूंगी। पब्लिक सिटी में विश्वास नहीं रहता। बेहद सालीनता के साथ कम शब्दों का उपयोग करते हुए मिनी शुक्ला ने अपनी पूरी बाते कही। जोन क्र.3 में अति. पुलिस उपायुक्त के मिनी शुक्ला काफी कुछ करना पड़ेगा क्योंकि इस जोन में 8 थाने कोतवाली, हनुमानगंज, गौतमनगर, शाहजहांनाबाद, स्टेशन बजरिया, टीलाजमालपुरा ऐशबाग और मंगलवारा है। बजरिया व मंगलवारा को छोड़ बाकी सभी थाने संवेदनशील माने जाते हैं। जहां जरा सी अफवाह या मामूली घटना कानून के व्यवस्था के लिये चुनौती बनने में देर नहीं करती है।

वैसे तो मिनी शुक्ला काफी स्ट्रांग है इनके परिवार की पृष्ठभूमि पुलिस की रही है 2022 बैच की मध्यप्रदेश कैडर की अधिकारी हैं इनके दादा एस.एस. शुक्ला प्रदेश के एडीजी रह चुके हैं उनकी बहन प्रियंका शुक्ला भी आईपीएस थी जानकारों के पत्रकारिता से पुलिस सेवा तक पहुंचने में मिनी शुक्ला कड़ा संघर्ष किया है। राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में एसडीओपी के रुप में कार्यरत है। शुरूआती दौर में उन्होंने उज्जैन में एसडीओपी के दौर पर काम संभाला।

यूपीएससी शानदार रैंक: उन्होंने लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2021 में अपने तीसरे प्रयास में अखिल भारतीय स्तर पर 96वीं रैंक हासिल की थी।

शुक्ला परिवार के अफसर: एक नज़र में

नाम	पद / कैडर	परिवार में रिश्ता / कनेक्शन
एस.एस. शुक्ला	रिटायर्ड ADGP	दादा (परिवार के पहले अफसर)
शशिकांत शुक्ला	DIG, मध्य प्रदेश	डॉ. ओपी शुक्ला के बेटे (भतीजे)
मोनिका शुक्ला	DIG, मध्य प्रदेश	शशिकांत शुक्ला की पत्नी
प्रियंका शुक्ला	IPS (2019 बैच)	मिनी शुक्ला की बड़ी बहन (पोती)
मिनी शुक्ला	IPS (2022 बैच)	प्रियंका शुक्ला की छोटी बहन (पोती)
सुमित पांडे	IAS (2021 बैच)	मिनी शुक्ला के पति (दामाद)
प्रमोद तिवारी	IRTS	प्रियंका शुक्ला के पति (दामाद)

महेश केवट को भगवान राम का आशीर्वाद मिला, सीएम ने कहा- तीनों सीटें जीतेंगे

केवट और मीनाक्षी ने विस में नामांकन दाखिल किया

सीएम निवास भोपाल में विधायक दल की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें राज्यसभा के प्रत्याशी महेश केवट का परिचय हुआ। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं विधायक दल महामंत्री शैलेन्द्र जैन सहित विधायकगण उपस्थित रहे।

कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन ने राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में आज नामांकन दाखिल कर दिया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से तीसरे प्रत्याशी महेश केवट ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह, अरविंद भदौरिया और प्रहलाद पटेल भी मौजूद रहे।

नामांकन भरने से पूर्व राज्यसभा प्रत्याशी महेश केवट में भाजपा प्रदेश कार्यालय स्थित मंदिर में पूजन अर्चन किया।

इससे पहले कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन दाखिल किया। मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट अब केवल एक संसदीय चुनाव नहीं, बल्कि भाजपा और कांग्रेस के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुकी है। भाजपा ने अंतिम समय में मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश केवट को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है, जबकि कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन को मैदान में उतारा है।

इस चुनाव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि विधानसभा में स्पष्ट बहुमत रखने के बावजूद भाजपा तीसरी सीट के गणित में फंसी हुई नजर आ रही है। पार्टी को जीत के लिए अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी।

राजनीतिक जानकारों की नजर अब केवल नामांकन पर नहीं, बल्कि वोटों के उस गणित पर है जो चुनाव परिणाम तय करेगा। भाजपा के पास दो सीटें जीतने लायक पर्याप्त संख्या है, लेकिन तीसरी सीट के लिए उसे विपक्षी खेमे से समर्थन या क्रॉस वोटिंग की जरूरत पड़ेगी। दूसरी ओर कांग्रेस के पास संख्या बल के आधार पर बढ़त दिखाई दे रही है। यही वजह है कि पार्टी अपने विधायकों को एकजुट रखने की रणनीति पर काम कर रही है।

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में तीसरी सीट को लेकर सियासी मुकाबला और तेज हो गया है। भाजपा उम्मीदवार महेश केवट के नामांकन के बाद मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि महेश केवट को भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त है और भाजपा राज्यसभा की तीनों सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ने पूरी रणनीति और विश्वास के साथ तीसरी सीट पर उम्मीदवार उतारा है।

कांग्रेस को झटका, नरेश ज्ञानचंदानी ने दिया इस्तीफा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हुजूर विधानसभा सीट से दो बार उम्मीदवार रहे सीनियर लीडर नरेश ज्ञानचंदानी ने कांग्रेस को ई-मेल के जरिए इस्तीफा भेज दिया है।

मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए 4 जून को कांग्रेस से मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार घोषित किया था। जिसके बाद पूर्व उम्मीदवार नरेश ज्ञानचंदानी ने एक्स पर पोस्ट कर मीनाक्षी नटराजन की उम्मीदवारी से सीट को अनसेफ बताया था। जिसके बाद से कांग्रेस के आला कमान उनसे नाराज चल रही थी। इस पोस्ट को लेकर कांग्रेस उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी कर रही थी। इससे पहले उन्होंने इस्तीफा भेज दिया। हुजूर सीट से पूर्व उम्मीदवार नरेश ज्ञानचंदानी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को ई-मेल से भेजे इस्तीफे में लिखा है कि मैं पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं, कृप्या तत्काल मंजूर करें। मैंने सिर्फ राहुल गांधी तक बात रखने के लिए एक्स पर पोस्ट किया था।

सीनियर लीडर ज्ञानचंदानी ने आगे कहा कि मैंने कोई मीडिया में बयान नहीं दिया और न सोशल मीडिया में वीडियो या बयान पोस्ट किया। वैसे भी समय-समय पर राहुल गांधी को पार्टी हित मैं पोस्ट करता आ रहा हूं।

'ईरान से तुरंत निकलो, हमारे आदेश का इंतजार मत करें...'

दोबारा युद्ध शुरू होने पर भारत ने एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

ईरान-इजराइल युद्ध एक बार फिर से भड़क गया है। लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजराइली हमले का जवाब देते हुए ईरान ने इजराइल पर मिसाइल हमला किया। ईरान के हमले पर ईजराइल के करारा पलटवार करते हुए राजधानी तेहरान समेत 4 शहरों पर मिसाइलों की बौछार कर दी। इजरायल के हमले में ईरान के कई सैन्य अड्डे तबाह हो गए।

ईरान और इजराइल के बीच दोबारा युद्ध शुरू होने पर भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए एजवाइजरी जारी की है। भारत ने कहा कि हमारे आदेश का इंतजार मत करें। तुरंत ईरान से निकलें। ईरान की राजधानी तेरहान में स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों के लिए एजवाइजरी जारी करते हुए कहा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए, एम्बेसी ने सभी भारतीय नागरिकों को अपनी पहले दी गई सलाह दोहराई है कि वे ईरान की यात्रा न करें।

एडवाइजरी में कहा गया है कि इस समय ईरान में रह रहे सभी भारतीय जो भी साधन मौजूद हों, उनका इस्तेमाल करके तुरंत देश से बाहर निकल जाएं. ईरान ने रविवार की देर रात इजरायल पर हमले कर दिए थे। इसके जवाब में इजरायल ने भी ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया है। इजरायल ने वॉरशिप्स और बैलेस्टिक मिसाइलों से तेहरान, इस्फहान, तबरीज समेत कई इलाकों में अटैक किया। मलों के बाद ईरान ने राजधानी तेहरान के इमाम खोमैनी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास का एयरस्पेस बंद कर दिया।

म्यांमार-बांग्लादेश बॉर्डर पर ईडी का बड़ा एक्शन

ड्रग नेटवर्क और 140 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने आज एक ऑपरेशन के तहत बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के तहत म्यांमार से जुड़े ड्रग नेटवर्क और 140 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार ठिकानों पर छापेमारी की है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा यह छापेमारी रविवार सुबह मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में एक साथ की गयी है। यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन

को शेल कंपनियों और बैंक खातों के जरिए विदेश भेजने के आरोपों से जुड़ी है।

मादक पदार्थों से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क और 142 करोड़ से ज्यादा संदिग्ध लेनदेन मामले में देश के अलग-अलग राज्यों में छापेमारी के तहत कई गिरफ्तारियां हुई है।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर आंधी से 'तबाही'

एयर इंडिया के 3 विमान क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में आई तेज आंधी और बारिश का असर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी देखने को मिला। रविवार शाम तेज़ हवाओं और बारिश के बाद, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़े एयर इंडिया के तीन विमानों से ग्राउंड सपोर्ट उपकरण टकरा गए, जिससे वहां अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। यह घटना इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के पास स्थित पार्किंग क्षेत्र में शाम लगभग 4:40 बजे हुई। खराब मौसम

के कारण टर्मिनल-2 पर खड़े एयर इंडियाके 3 विमान एयरपोर्ट पर रखे ग्राउंड सपोर्ट उपकरणों की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए।

जानकारी के अनुसार, तेज हवाओं और बारिश के दौरान एयरपोर्ट परिसर में मौजूद कुछ उपकरण अपनी जगह से खिसक गए और पार्किंग बे में खड़े विमानों से टकरा गए।

राज्यसभा चुनाव

खेला करने के मूड में भाजपा, उतारा तीसरा उम्मीदवार

भोपाल ■ जगत शर्मा

भाजपा मध्य प्रदेश ने राज्यसभा चुनाव के लिए महेश केवट को तीसरा प्रत्याशी घोषित कर राज्य में क्रॉस वोटिंग और कड़े मुकाबले का नया राजनीतिक समीकरण बना दिया है। तीसरी सीट पर भाजपा के इस दांव के बाद राज्य का पूरा चुनावी गणित बदल गया है, जिससे कांग्रेस के लिए अपनी सीट बचाना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

विधानसभा का मौजूदा गणित — मध्य-प्रदेश विधानसभा में दलीय स्थिति

- **भाजपा की सीटें:** 164 या 165 विधायक वर्तमान में भाजपा के पाले में है जिसमें कांग्रेस की बीना विधायक निर्मला सप्रे को भी गिना जा सकता है, क्योंकि वह लम्बे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रही है तथा भाजपा से उनकी नजदीकियां जगजाहिर है।
- **कांग्रेस के विधायक:** 63 या 64 विधायक अभी कांग्रेस में गिने जा सकते हैं, हालांकि निर्मला सप्रे की तरह कुछ और विधायक अंदरुनी तौर पर भाजपा के संपर्क में हों इससे इंकार नहीं किया जा सकता।
- **भारत आदिवासी पार्टी:** वहीं आजाद भारत पार्टी का एक ही विधायक है जो किसके साथ जायेगा इसका कोई भरोसा नहीं है। इसके अलावा दतिया से कांग्रेस के विधायक रहे राजेंद्र भारती को एमपी एमएलए कोर्ट से 3 वर्ष की सजा मिलने के बाद विधानसभा महासचिव ने आयोग घोषित कर दिया है ,तथा चुनाव आयोग को इस संदर्भ में जानकारी भेज दी है। इसलिए अब देखा जाए तो मध्य प्रदेश विधानसभा में वर्तमान में 229 विधायक हैं।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 58 प्रथम वरीयता मतों की आवश्यकता है।

बदलते राजनीतिक समीकरण

- **भाजपा की दो सीटों पर जीत, तीसरी पर पेंच :** अपने संख्याबल के आधार पर भाजपा के दो आधिकारिक उम्मीदवार—राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल—आसानी से निर्वाचित हो जाएंगे। दो उम्मीदवारों को जिताने (116 वोट) के बाद भी भाजपा के पास लगभग 47-48 सरप्लस (अतिरिक्त) वोट बचते हैं।
- **क्रॉस वोटिंग का खतरा और 'खेला' की आशंका :** भाजपा को अपने तीसरे उम्मीदवार महेश केवट को जिताने के लिए कम से कम 8 से 10 अतिरिक्त मतों की जरूरत होगी। भाजपा की नजर कांग्रेस के असंतुष्ट विधायकों और क्रॉस वोटिंग पर है। वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय पहले ही कह चुके हैं कि तीसरा प्रत्याशी उतरने पर उसे जिताने की पूरी कोशिश की जाएगी।
- **कांग्रेस में अंदरूनी असंतोष :** कांग्रेस ने पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को अपना उम्मीदवार बनाया है। राजनीतिक गलियारों के अनुसार, दिग्विजय सिंह खेमे के साथ साथ कमलनाथ जैसे दिग्गजों को दरकिनार कर मीनाक्षी नटराजन को टिकट देने से कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह और घमासान की स्थिति बनी हुई है, जिसका फायदा भाजपा उठाना चाहती है।
- **कांग्रेस कर रही विधायकों की बाड़ेबंदी की तैयारी :** कागजी तौर पर कांग्रेस के पास 63-64 विधायक हैं, जो जीत के कोटे (58) से अधिक हैं। हालांकि, टूट के डर से कांग्रेस हाईकमान अलर्ट हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, विधायकों को एकजुट रखने के लिए कांग्रेस उन्हें तेलंगाना या कर्नाटक जैसे कांग्रेस शासित राज्यों में शिफ्ट (बाड़ेबंदी) करने की रणनीति बना रही है।
- **जातीय समीकरण साधने का प्रयास :** भाजपा ने मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश केवट को उतारकर पिछड़े वर्ग (OBC) और अति पिछड़ी जातियों को साधने का बड़ा कार्ड खेला है। यह दांव कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति का हिस्सा है। अब मुकाबला सीधे तौर पर भाजपा के महेश केवट बनाम कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन के बीच बेहद दिलचस्प और कड़ा हो गया है, जिसमें चुनावी नतीजे विधायकों की वफादारी और क्रॉस वोटिंग पर निर्भर करेंगे।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन की सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सतत जारी है। इसी क्रम में ग्राम डोंगरवाडा, तहसील नर्मदापुरम में प्राप्त शिकायत के आधार पर पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा आकस्मिक जांच की गई। जांच के दौरान 03 ट्रैक्टर–ट्रॉली रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए गए, जिन्हें मौके पर जप्त कर पुलिस थाना देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ईएसबी का सर्वर फेल, चार भर्ती परीक्षाएं रद्द, अभ्यर्थियों का फूटा गुस्सा

सतना ■ निसं

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल की लापरवाही और तकनीकी खामियों का खमियाजा एक बार फिर प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को भुगतना पड़ा है। रविवार को आयोजित वन रक्षक, क्षेत्र रक्षक, जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा की द्वितीय पाली सर्वर ठप होने के कारण रद्द कर दी गई। सतना के परीक्षा केंद्र पर घंटों इंतजार के बाद परीक्षा निरस्त होने की खबर मिलते ही अभ्यर्थियों का गुस्सा भड़क उठा।

सतना के आदित्य कॉलेज परीक्षा केंद्र में दोपहर की पाली में शामिल होने के लिए सैकड़ों छात्र पहुंचे थे। परीक्षा शुरू होने के समय पर अचानक ईएसबी का सर्वर डाउन हो गया। केंद्र प्रबंधन और तकनीकी टीम करीब तीन घंटे तक सिस्टम को सुधारने का प्रयास करती रही, जिससे छात्र परीक्षा हॉल में ही बैठे इंतजार करते रहे। अंत में जब सर्वर ठीक नहीं हुआ, तो अधिकारियों ने परीक्षा निरस्त करने की घोषणा कर दी।

परीक्षा रद्द होने से आक्रोशित छात्र एनएसयूआई नेता आनंद पाण्डेय के नेतृत्व में सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचे और वहां धरने पर बैठ

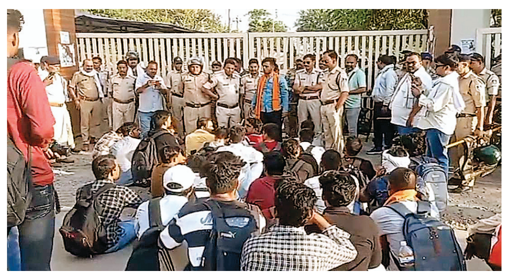

गए। छात्रों ने जमकर नारेबाजी की और मांग की कि इस घोर लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, दूर–दराज से आए छात्रों को हुई आर्थिक क्षति की भरपाई (मुआवजा) सरकार द्वारा की जाए।

इस अव्यवस्था के कारण सबसे ज्यादा परेशानी दूर–दराज के जिलों से आए अभ्यर्थियों को उठानी पड़ी। धर्मेंद्र दुबे (पीड़ित छात्र, डिंडोरी) मैं डिंडोरी से सतना परीक्षा देने आया था। इसके लिए मैंने अपनी दो दिन की मजदूरी/कमाई खर्च कर दी। यहाँ आने–जाने और रुकने में काफी पैसा खर्च हुआ, लेकिन यहाँ आकर पता चला कि परीक्षा ही रद्द हो गई। हमारी आर्थिक और मानसिक परेशानी का जिम्मेदार कौन है?

बढ़ते विरोध को देखते हुए कर्मचारी चयन मंडल ने आनन–फानन में रद्द हुई इस परीक्षा की नई तारीख 20 जून घोषित कर दी है। हालांकि, अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा की नई तारीख घोषित होने से उनके समय, धन की बर्बादी और मानसिक तनाव की भरपाई नहीं हो सकती। उन्हें दोबारा परीक्षा देने के लिए फिर से आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

राहुल सिलाड़िया एसडीएम, सतना ने कहा–तकनीकी खराबी और सर्वर फेल होने की वजह से परीक्षा प्रभावित हुई है। छात्रों की शिकायतों और मांगों को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा दिया गया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। धर्मेंद्र दुबे छात्र ने कहा– दूर से आने वाले छात्रों के रहने–खाने का खर्च और समय पूरी तरह बर्बाद हो गया। ईएसबी को अपनी तकनीकी व्यवस्था पहले ही दुरुस्त रखनी चाहिए थी।

फिर बढ़े सिलेंडर के दाम, बिगड़ रहा घरेलू बजट

खरगोन। पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों से जूझ रहे शहर के लोगों की रसोई पर अब एलपीजी सिलेंडर के सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर भारी बढ़ोतरी कर दी है, जिससे जिले में अब एक सिलेंडर की कीमत एक हजार रुपए के करीब पहुंच गया है। घरेलू सिलेंडर 960 से बढ़कर 986 रुपए 50 पैसे पर पहुंच गया है। बढ़ती महंगाई में शहर के मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए अब घर चलाना किसी चुनौती से कम नहीं है। एलपीजी के दाम बढ़ने का असर परिवहन पर भी पड़ रहा है। डीजल–पेट्रोल और सीएनजी की दरों में इजाफा होने से ऑटो किराए से लेकर सब्जी और किराने के सामान की ढुलाई पर पड़ रहा है। महिलाओं का कहना है कि अब घर का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। सिलेंडर हजार के पार जाना हमारी कमर तोडने जैसा है। तेल, सब्जी और अब गैस समझ नहीं आता कि बचत कहां से करें। तीन महीनें में महंगाई ने पकड़ी रफ्तार पिछले तीन महीनों का गणित देखें तो महंगाई की रफ्तार डराने वाली है। रविवार को एक सिलेंडर पर सीधे 29 रुपये बढ़ाए गए। इससे पहले सात मार्च को सिलेंडर की कीमतों में 60 रुपये का इजाफा हुआ था। तीन महीने के भीतर गैस सिलेंडर पर 89 रुपये की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। जबकि कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों को पिछले दिनों ही बढ़ाया गया था। कमर्शियल सिलिंडर की कीमत 3 हजार के पार पहुंच गई है। गैस एजेंसियों के संचालकों की माने तो आगामी दिनों में कीमतों में और इजाफा हो सकता है। इसकी वजह यह है कि पश्चिमी एशिया के युद्ध की वजह से क्रुड आयल सहित एलपीजी कम आ पा रही है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी इनकी कीमतों में उछाल आया है।

मंत्री डॉ. विजय शाह ने विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया

खंडवा। प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह ने शनिवार को जिले के ग्राम खालवा में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 1.20 करोड रुपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्री दिव्यादित्य शाह भी मौजूद थे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्र में विकास कार्यों पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय वर्ग के लोगों की सुविधा के लिए सरकार ने अनेक योजनाएं शुरू की हैं।

मुरैना में ड्यूटी निभाते-निभाते थम गई सांसें, आरक्षक कुलदीप राठौर की मौत

मुरैना ■ निसं

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में यातायात व्यवस्था संभाल रहे पुलिस के एक जवान का ड्यूटी के दौरान अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से असामयिक निधन हो गया। ट्रैफिक थाने में तैनात आरक्षक (कॉन्स्टेबल) क्रमांक 677 कुलदीप राठौर की रविवार की रात कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। इस दुखद और अप्रत्याशित घटना के बाद से स्थानीय पुलिस महकमे और मृतक के साथी कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई है।

चौराहे पर तैनाती के दौरान उठा सीने में तेज दर्द

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रविवार की रात करीब 9-30 बजे कुलदीप राठौर बैरियल चौराहे पर अपनी नियमित ट्रैफिक ड्यूटी संभाल रहे थे। इसी दौरान उनके सीने में अचानक असहनीय दर्द उठने लगा। तबीयत ज्यादा खराब होने पर उन्होंने मुस्तैदी दिखाते हुए अपनी बीमारी की बात बकायदा ड्यूटी रजिस्टर में दर्ज की और वरिष्ठों को सूचित कर अपने घर के लिए रवाना हो गए। हालांकि, घर पहुंचने के बाद भी उनके स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ और

दर्द लगातार बढ़ता चला गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम गईं सांसें

घर लौटने पर कुलदीप ने अपनी पत्नी को छाती में हो रहे तेज दर्द और बेचैनी के बारे में बताया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिवार के लोग बिना कोई समय गंवाए उन्हें तुरंत उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर भागे। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में तैनात डॉक्टरों ने जवान का गहन चिकित्सीय परीक्षण किया, लेकिन दुर्भाग्यवश तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं और चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

चिकित्सकों ने जताई गंभीर हृदयाघात की आशंका

मुरैना पुलिस लाइन के रक्षित निरीक्षक रविकांत शुक्ला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरक्षक कुलदीप राठौर यातायात थाने में पूरी निष्ठा से अपनी सेवाएं दे रहे थे। प्राथमिक चिकित्सीय जांच के आधार पर जवान की मौत की वजह गंभीर साइलेंट हार्ट अटैक (हृदयाघात) को माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस प्रशासन का कहना है कि पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट और अन्य आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद ही मौत के सही कारणों का आधिकारिक तौर पर खुलासा हो सकेगा।

डॉक्टर्स ने जटिल ऑपरेशन कर प्रसूता अर्चना और उसके बच्चे की जान बचाई

खण्डवा। स्वास्थ्य विभाग के अमले के आपसी समन्वय और डॉक्टर्स के अथक प्रयासों से हाईरिस्क गर्भवती महिला और उसके नवजात शिशु की जान बचाई जा सकी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.डी. बकोरिया ने बताया कि खालवा विकासखण्ड के वनग्राम ढेमरिया गुलाई निवासी गर्भवती महिला अर्चना पति रोहित उम्र 20 वर्ष गंभीर सीवियर प्री–इक्लम्प्सिया अत्यधिक उच्च जोखिम वाली स्थिति से ग्रसित थी। डॉ. बकोरिया ने बताया कि गत दिनों वे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुलाई के निरीक्षण के लिए गये तो गर्भवती महिला अर्चना की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्होंने महिला और उसके परिजनों की काउंसलिंग की और उन्हें स्थिति की गंभीरता को समझाते हुए तत्काल उच्च स्तरीय उपचार के लिए 108 एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय खण्डवा लाया गया।

जिला अस्पताल में डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने तुरंत उसका उपचार शुरू किया। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. याचिका ने तत्काल सीजर करने का निर्णय लिया। डॉ. याचिका के साथ ही एनेस्थेटिक डॉ. दीक्षित व डॉ. अजेंद्र के अथक प्रयासों और सटीक उपचार से यह जटिल ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा, जिससे जच्चा और बच्चा दोनों की जान बचाने में सफलता मिली। पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद अर्चना और उसके नवजात शिशु को अस्पताल से शनिवार को डिस्चार्ज कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दोनों को उनके गृह ग्राम ढेमरिया तक पहुँचाने के लिए नि:शुल्क 108 एम्बुलेंस वाहन की व्यवस्था की गई। डिस्चार्ज होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जिला स्तर से महिला और बच्चे के स्वास्थ्य का लगातार फॉलोअप लिया जा रहा है, ताकि जच्चा बच्चा पूरी तरह स्वस्थ रहें।

जबलपुर में ट्रक ने स्कूटी सवार को कुचला, अनूपपुर में चलती गाड़ी बनी आग का गोला

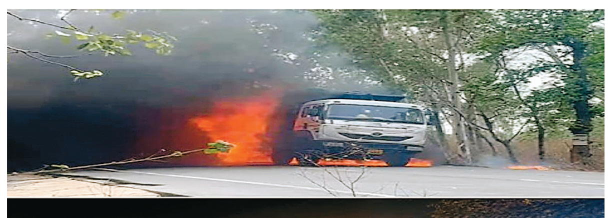

जबलपुर ■ निसं

खजरी खिरिया बायपास पर आज एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवक को बुरी तरह कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी ट्रक के नीचे ही फंस गई और घिसटने की वजह से ट्रक में भीषण आग लग गई। इस हादसे में स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। ट्रक के पहियों की चपेट में आने से उसके दोनों पैर बुरी तरह कुचल गए हैं। युवक को बेहद नाजुक हालत में तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

चालक फरार, पुलिस जांच में जुटी- माढ़ोताल थाना प्रभारी अपूर्वा चौरसिया के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद ट्रक में लगी आग पर काबू पाया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है, जिसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। न्यामुद्दीन अली अनूपपुर। दूसरी घटना अनूपपुर जिले के कोतमा थाना क्षेत्र से सामने आई है, जहाँ नेशनल हाईवे–43 पर जंगल चौकी के पास चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के कारण चलते ट्रक का टायर अचानक फट गया और उसमें आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया।

जानकारी के अनुसार, यह ट्रक अनूपपुर से गिट्टी लादकर उमर्दा स्थित अडानी कंपनी की ओर जा रहा था। बीच रास्ते में ही यह हादसा हो गया। गनीमत रही कि आग भड़कते ही चालक और क्लीनर ने कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन पूरा ट्रक जलकर खाक हो गया। बीच सड़क पर ट्रक को आग की लपटों से घिरा देख आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। सुरक्षा के लिहाज से दोनों तरफ के ट्रैफिक को रोक दिया गया, जिससे नेशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतमा नगरपालिका से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और पुलिस बल मौके पर पहुंचे।

औद्योगिक क्षेत्र मोहासा में श्रम विभाग की कार्रवाई

8 श्रमिकों को दिलाया गया 42 हजार 190 रुपये का भुगतान

नर्मदापुरम ■ निसं

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के आदेशानुसार प्रवासी श्रमिकों की जानकारी प्रवासी पोर्टल पर दर्ज किए जाने हेतु औद्योगिक क्षेत्र मोहासा में श्रम विभाग द्वारा निरीक्षण एवं भ्रमण किया गया। इस दौरान श्रम निरीक्षक सरिता साहू द्वारा निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से उन्हें प्राप्त होने वाली मजदूरी के संबंध में जानकारी ली गई। श्रमिकों द्वारा बताया गया कि उन्हें प्रतिदिन 370 रुपये मजदूरी प्राप्त हो रही है तथा वे पेटी ठेकेदार दिनेश जाट निवासी अलवर, राजस्थान के माध्यम से कार्य कर रहे हैं। इस पर श्रम निरीक्षक द्वारा पेटी ठेकेदार को निर्माण स्थल पर बुलाकर श्रमिकों को कम भुगतान किए जाने के संबंध में पूछताछ की गई।

इसके पश्चात मुख्य ठेकेदार सिंघानिया इंफ्रा से भुगतान संबंधी जानकारी प्राप्त की गई। ठेकेदार द्वारा बताया गया कि पेटी ठेकेदार को श्रमिकों के भुगतान हेतु 480 रुपये प्रतिदिन की दर से राशि उपलब्ध कराई जा रही थी। जांच में यह पाया गया कि पेटी ठेकेदार दिनेश जाट द्वारा श्रमिकों को निर्धारित राशि से कम वेतन का भुगतान किया जा रहा था। प्रकरण में कार्रवाई करते हुए श्रमिकों को न्यूनतम वेतन से कम प्राप्त अंतर राशि एवं ओवरटाइम का भुगतान कराया गया।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल को मिला व्यापक समर्थन

खरगोन। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले में कार्यरत संविदा स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल छठे दिन भी जारी रही। सीएमएचओ कार्यालय परिसर में धरनारत कर्मचारियों को

रविवार समाज के विभिन्न वर्गों और नागरिकों से व्यापक लिखित एवं भौतिक समर्थन मिलना शुरू हो गया है। संगठन प्रमुख ममता हिरवे ने बताया कि आम नागरिक, वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन और मानवाधिकार सुरक्षा संघ की टीम ने संविदा हड़ताल को अपना पूर्ण समर्थन दिया है। वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के प्रांत प्रमुख एवं जिला अध्यक्ष तथा मानवाधिकार सुरक्षा संघ के प्रदेश अध्यक्ष इंजी. राधेश्याम पाटीदार ने हड़ताली कर्मचारियों से मुलाकात कर समर्थन व्यक्त किया। उनके साथ मध्य प्रदेश विद्युत पेंशनर्स हित संघ के जिला अध्यक्ष पीएल कुशवाह, सचिव रमेश मंडलोई, चिकित्सा संयोजक डॉ. विष्णु प्रसाद शर्मा, मीडिया प्रभारी विनोद सिंह और जिला संयोजक आरके कानूनगो भी मौजूद रहे। इंजी. पाटीदार ने संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की मांगों को जायज ठहराते हुए कहा कि वर्षों से लंबित इन मांगों पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि इन कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं सामान्य हो सकें। जिलाध्यक्ष हिरवे ने बताया इस व्यापक समर्थन से हड़ताली कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है, जो अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एकजुट होकर आंदोलन कर रहे हैं।

सीहोर में कुदरत का कहर: 40 किमी की रफ्तार से चली आंधी

कई घरों के टीन शेड और सोलर प्लेटें उड़ीं

सीहोर ■ निसं

मध्य प्रदेश के सीहोर जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तेज आंधी और झमाझम बारिश के कारण क्षेत्र में भारी तबाही देखने को मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज हवाओं ने जनजीवन को अस्त–व्यस्त कर दिया।

इस प्राकृतिक आपदा का सबसे ज्यादा असर शहर के मध्यम और गरीब वर्गीय परिवारों पर पड़ा है। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई घरों की छतों पर लगीं कीमती सोलर प्लेटें ताश के पत्तों की तरह हवा में उड़ गईं, जिससे लोगों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं, झुग्गी–झोपड़ियों और छोटे मकानों पर लगे टीन शेड भी उड़कर दूर जा गिरे। कई परिवारों के सिर से छत छिन जाने के कारण वे खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। तेज हवाओं के कारण शहर के कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खंभे भी उखड़ गए, जिससे घंटों तक विद्युत आपूर्ति ठप रही। सड़कों पर जलजमाव और मलबे के कारण आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रभावित लोगों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर जल्द से जल्द मुआवजा देने की गुहार लगाई है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी ऐसा ही मौसम रहने की चेतावनी दी है।

बडवानी पुलिस का शराब तस्करों के खिलाफ बड़ा एक्शन

अवैध शराब के विरूध्द थाना सेंधवा ग्रामीण पुलिस चौकी चाचरिया की बडी कार्रवाई 42 पेटी देशी/विदेशी शराब जप्त

बडवानी ■ निसं

बडवानी पुलिस अधीक्षक बडवानी पदमविचोलन शुक्ल ने जिले भर मे अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब, जुआ सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियो के विरूध्द विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिले के समस्त थाना प्रभारियो को अवैध गतिविधियो पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किये है। इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर एवं एसडीओपी सेधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन एवं थाना सेंधवा ग्रामीण औमप्रकाश चंगोडे के निर्देशन मे चौकी चाचरिया पुलिस ने अवैध रुप से घर मे रखी शराब पकडी।

कार्रवाई का विवरण– दिनांक 06/06/2026 को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पाडछा नवाड फलिया के जालम पिता सरदार के मकान मे उसके रिश्तेदार नानसिग पिता कुवरसिग ने भारी मात्रा मे अवैध शराब का भंडारण किया हुआ है। सूचना की गंभीरता को देखते हुये थाना प्रभारी सेंधवा ग्रामीण के मार्गदर्शन मे चोकी प्रभारी

चाचरिया सउनि केशव यादव पुलिस टीम के साथ कार्यवाही हेतु तत्काल मौके पर रवाना हुये। पुलिस टीम व्दारा मूखबीर की सूचना पर मौके पर जाकर दबीश दी गई एक व्यक्ति मौके से पुलिस को देखकर अंधेरे का लाभ लेकर फरार हो गया पुलिस टीम व्दारा मकान की तलाशी लेने पर जालम के मकान के अंदर से पुलिस टीम व्दारा 32 पेटी गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब जिसकी मात्रा 288 बल्क लीटर एवं 10 पेटी देशी दुबारा प्लेन शराब मात्रा 90 लीटर कुल शराब मात्रा 378 लीटर किमती 2 लाख 54000 रूपये की पाई गई। मौके पर उक्त शराब को विधिवत जप्ती कार्यवाही की गई फरार आरोपीगण की तलाश करते नही मिले पुलिस टीम व्दारा थाना सेंधवा ग्रामीण पर आबकारी एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया है। विशेष भूमिका इस सफल कार्यवाही मे निम्न अधिकारियो एवं कर्मचारियो का विशेष योगदान रहा। 1 निरीक्षक ओमप्रकाश चंगोडे थाना प्रभारी सेंधवा ग्रामीण, 2 सउनि केशव यादव चोकी प्रभारी चाचरिया सेंधवा ग्रामीण, 3 सउनि राकेश मंडलोई चोकी चाचरिया थाना सेंधवा ग्रामीण, 4 प्रआर 58 सुनिल महाजन चोकी चाचरिया थाना सेंधवा ग्रामीण, 5 आरक्षक 664 सचिन बुंदेला चोकी चाचरिया थाना सेंधवा ग्रामीण, 6 प्रआर रामकिशोर प्रजापति थाना सेंधवा ग्रामीण, 7 आरक्षक 372 लोकेश मंडलोई चोकी चाचरिया थाना सेंधवा ग्रामीण, 8 आरक्षक 160 निरज शर्मा चोकी चाचरिया थाना सेंधवा ग्रामीण, 9 आरक्षक 554 पंकज पुरोहित थाना सेंधवा ग्रामीण, 10 आरक्षक विनोद पाटीदार थाना सेंधवा ग्रामीण, 11 महिला आरक्षक 562 सुरभि थाना सेंधवा ग्रामीण

अपार' आईडी में विद्यार्थियों के सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप में रहेंगे सुरक्षित

खंडवा। प्रदेश के सभी विद्यार्थियों का शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित और एक ही जगह पर उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में 'अपार' आईडी तैयार करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक विद्यार्थी की अपार आईडी बनाने का कार्य किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की समस्त स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को 'मेगा अपार दिवस' का आयोजन किया जाएगा। भारत सरकार के निर्देशानुसार देश भर के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत शत प्रतिशत विद्यार्थियों की 'अपार' आईडी अर्थात *ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री* तैयार करने का कार्य 30 जून 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना है। प्रदेश में अब तक लगभग 93 लाख 97 हज़ार विद्यार्थियों की अपार आईडी बन चुकी है तथा शेष 44 लाख 47 हज़ार विद्यार्थियों की अपार आईडी आगामी 30 जून तक तैयार की जाना है, क्योंकि प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के लगभग 1.38 करोड़ विद्यार्थी नामांकित हैं। प्रदेश की सभी स्कूलों में 30 जून तक हर शनिवार को 'मेगा अपार दिवस' मनाया जाएगा।

अपार आईडी किसी भी विद्यार्थी के लिए जीवन भर की डिजीटल शैक्षणिक पहचान होती है। इसमें विद्यार्थी के सभी शैक्षणिक रिकॉर्डस एक जगह सुरक्षित रहते हैं। यह एक डिजीटल और पेपरलेस रिकार्ड सिस्टम है। अपार आईडी, छात्रवृति, प्रवेश एवं सरकारी योजनाओं में सहायक होने के साथ ही कहीं भी कभी भी उपयोगी होगी है। विद्यार्थियों की अपार आईडी निर्मित करवाने के लिए आयुक्त लोक शिक्षण और संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने मई माह में संयुक्त हस्ताक्षर से सभी जिला कलेक्टर्स को पत्र प्रेषित किया था।

'हर माह-एक उपवास' बना जन जागरण अभियान

'युग प्रधान तप चक्रवर्ती' उपाधि से अलंकृत हुए आचार्य प्रसन्न सागरजी

नरेंद्र अजमेरा /पियुष कासलीवाल /रोमिल पाटणी

कुशलगढ़ जिला बांसवाड़ा (राज)। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में रविवार को नवकार गार्डन में आयोजित 'हर माह एक उपवास' कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति, साधना, त्याग और आध्यात्मिक ऊर्जा के अनुपम संगम के रूप में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दिगंबर बीसपंथी समाज, कुशलगढ़ द्वारा आचार्य श्री को प्रशस्ति पत्र भेंट कर 'युग प्रधान तप चक्रवर्ती' की उपाधि से अलंकृत किया गया। उपाधि का प्रशस्ति वाचन योगगुरु स्वामी रामदेव के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पतंजलि योगपीठ के मीडिया प्रभारी एस. के. तिजारावाला ने किया। दिगंबर बीसपंथी समाज के अध्यक्ष जयंतीलाल सेठ ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात:कालीन भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई नवकार गार्डन पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने अंतर्मना के जयकारों से वातावरण को धर्ममय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान आचार्य श्री की मासिक पत्रिका एवं विशेष प्रकाशन का भव्य विमोचन किया गया। समारोह में दिगंबर बीसपंथी समाज अध्यक्ष जयंतीलाल सेठ, मंत्री हंसमुखलाल सेठ, पतंजलि योगपीठ के मीडिया प्रभारी एसके तिजारावाला, समाजसेवी प्रदीप जैन, क्षेत्रीय विधायक रमीला खड़िया, पूर्व संसदीय सचिव भीमाभाई डामोर, भारत भक्ति संस्थान मुंबई के संस्थापक बाबा सत्यनारायण मौर्य सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन पूर्व तहसीलदार विजयलाल कोठारी एवं उनके परिवार द्वारा किया गया। धर्मसभा में मुनि श्री सामायिक सागर जी महाराज ने ध्यान एवं योग सत्र का संचालन करते हुए कहा कि ध्यान और योग आत्मबल, मानसिक शांति तथा स्वस्थ जीवन का आधार हैं। उन्होंने सभी को नियमित योग और ध्यान

हर मास एक उपवास बना जन जागरण अभियान

अपनाने की प्रेरणा दी। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर ने सभी श्रद्धालुओं से प्रत्येक माह कम से कम एक दिन उपवास रखने, सात्विक जीवन शैली अपनाने तथा समाज में सदाचार और संस्कारों के प्रसार का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव के राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. के. तिजारावाला ने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का तप, त्याग और संयम आज के समाज के लिए प्रेरणा का स्रोता है। हर माह एक उपवास अभियान केवल

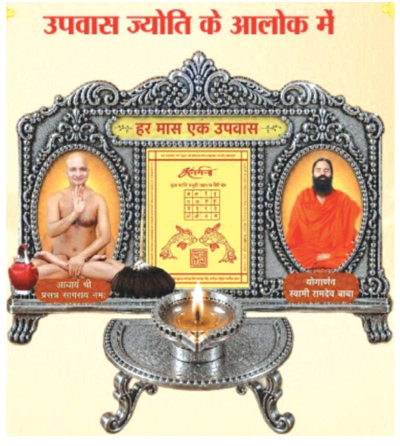

धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संस्कारित और जागरूक समाज निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में कला और संस्कृति की भी अनुपम छटा देखने को मिली। विक्रमा कनेरिया (पिपलिया मंडी) ने मनमोहक बांसुरी वादन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया तथा मात्र चार मिनट में आचार्य श्री का चित्र बनाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। वहीं बाबा सत्यनारायण मौर्य ने अपनी ओजस्वी कविताओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश दिया। प्रसिद्ध गायक विजय चौहान (देवास) ने अपने मधुर भजनों और कर्णप्रिय प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में स्थानकवासी श्रीसंघ अध्यक्ष रजनीकांत खाब्या, मूर्तिपूजक श्रीसंघ अध्यक्ष संघवी कमलेश कावड़िया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड संचालक कैलाश राव, ब्राह्मण समाज के एडवोकेट हरेंद्र पाठक, दयानंद आश्रम के एडवोकेट धर्मेंद्र कंसारा, राम मंदिर समिति अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, पंडित हेमेंद्र पांडया सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हमीदिया की पार्किंग में ऑटो चालक को बंधक बनाकर की मारपीट

भोपाल। राजधानी के कोहेफिजा थाना इलाके में स्थित हमीदिया अस्पताल की पार्किंग में दिखाकर दिखाते हुए ऑटो चालक के साथ मारपीट किये जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पार्किंग क्षेत्र में कुछ लोगों ने एक ऑटो चालक को बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट की और उससे हर महीने 5 हजार रुपए देने का दबाव बनाया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद ऑटो चालक को पार्किंग क्षेत्र में रोक लिया गया। आरोप है कि वहां मौजूद कुछ लोगों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। सूचना मिलने पर ऑटो मालिक मौके पर पहुंचा, लेकिन आरोपियों ने उसके साथ भी अभद्रता और मारपीट की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि जॉच के बाद आरोपियो को जल्द ही दबोच लिया जाएगा।

कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने दबोचे आधा दर्जन फरार स्थायी वारंटी

भोपाल। पुराने शहर की थाना गौतम नगर पुलिस ने बीती रात कॉम्बिंग गश्त के दौरान 6 स्थायी फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही टीम ने 20 चाकूबाज, 2 जिला बदर और जेल से रिहा हुए 1 आरोपी की सरप्राइस चेकिंग करते हुए उनके ठिकानो पर दबिश भी दी। जानकारी के अनुसार पुलिस उपायुक्त जोन-3 आयुष गुप्ता के निर्देश पर 6-7 जून की रात 2 बजे से अलसुबह 5बजे तक विशेष कॉम्बिंग गश्त संचालित की गई। इसके लिये गठित पुलिस टीम ने कई दिनों से फरार स्थायी वारंटियों को मुखबिर की सूचना के आधार दबोच लिया। आरोपियो के नाम सिकन्दर आशिफ, शाहजेब खान, रेहान, रहमान अली, कैलाश शाक्य, नर्मदा प्रसाद बताये गये है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कथा समापन समारोह को वीसी से किया संबोधित

भागवत कथा श्रवण से मिटते हैं दुःख-दर्द, संसार का होता है कल्याण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- जहां-जहां कृष्ण लीलाएं हुई, वहां-वहां भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बना रही सरकार
- उज्जैन जिले के नारायणा और धार जिले के अंका-झंका में बनाएंगे तीर्थ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्रीमद्भागवत कथा का पुण्य-प्रताप ऐसा है कि इसे सुनने मात्र से ही मनुष्य के दु:ख-दर्द दूर हो जाते हैं। भागवत कथा श्रवण से कष्टों का शमन होता है और पूरे संसार का कल्याण होता है। इस कथा का श्रवण मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति में भी सहायक होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में ऐसे धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ये समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं और सबके जीवन में सद्भाव एवं आत्मिक शांति का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को धर्म के मर्म एवं नैतिकता का भान कराती है। यह मनुष्य को उसके कर्तव्यों और मानव सेवा के मार्ग पर

चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ज्ञानामृत है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में भागवत गीता कथा एक पवित्र माध्यम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जैन जिले के ग्राम टंकारिया पंथ में एक से सात जून तक हुई श्रीमद्भागवत कथा के समापन समारोह को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कथा समापन समारोह में सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में नाना प्रकार के कष्ट थे, परंतु उन्होंने अपने कष्टों से इतर कुशासन (कंस) का अंत किया। वे सदैव धर्म मार्ग पर बने रहे। उन्होंने समारोह में बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं से कहा कि वे गीता के संदेश को अपने जीवन में भी अपनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण ने लीलाएं कीं, वहां-वहां हमारी सरकार भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बनाने जा रही है। उन्होंने बताया कि उज्जैन जिले के नारायणा गांव और धार जिले के अंका-झंका माताजी परिसर में भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बनाया जायेगा। ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम टंकारिया पंथ से लेपड़ तक एवं इसी गांव से रानापुर फाटक तक पक्की सड़क बनाई जायेगी। यहां धर्मशाला में शेड निर्माण के लिए भी राशि और गौशाला निर्माण के लिए अनुदान दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाली राखी में भी हमारी सरकार लाड़ली बहनों को शगुन के रूप में राशि भेजेगी, बुजुर्गों से कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को हमारी सरकार तीर्थ यात्रा करायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कथा आयोजन को समाज में आध्यात्मिक जागृति और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। सात दिवसीय भागवत् कथा के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति के सभी सदस्यों, संतजनों एवं श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी के सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना का व्यापक प्रसार हुआ है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और संस्कारों को सुदृढ़ करने में मददगार होते हैं।

इस अवसर पर प्रसिद्ध श्रीमद्भागवत कथावाचक श्री राकेश शर्मा 'शास्त्री', श्री मनोहर चौधरी, श्री लीलाधर पटेल, श्री जगदीश पटेल, श्री सुदामा पटेल, श्री सोहन पटेल, श्री कान्हा पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

लव मैरिज के 5 महीने बाद नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

अन्य महिला से बात करने को लेकर हुआ था पति से विवाद

चार माह की गर्भवती थी मृतका

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शहर के उपनगर बैरागढ़ इलाके में रहने वाली नव विवाहिता की शादी के पॉच महीने बाद ही संदिग्ध हालत में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतका ने 5 महीने पहले घर वालों की मर्जी के खिलाफ लव मैरिज की थी, और इन दिनो उसे 4 माह का गर्भ था। बताया गया है की खुदकुशी से पहले उसका अपने पति से अन्य महिला से बात करने को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार संजय नगर बैरागढ़ में रहने वाली भारती सोलंकी (25) पत्नी विक्की सोलंकी घरेलू महिला थी। शादी से पहले तक भारती एक ज्वेलरी शॉप में काम करती थी। उस दौरान ही उसकी विक्की से दोस्ती और प्रेम-प्रसंग हुआ था। बाद में भारती ने परिवार वालो की मर्जी के खिलाफ 5 महीने पहले विक्की से लव मैरिज की थी। इन दिनो वह गर्भवती थी, और आत्महत्या से 2 दिन पहले डॉक्टर के पास रूटीन चेकअप भी कराने गई थी। शनिवार रात भारती ने खुदकुशी कर ली है। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने जॉच के बाद मर्ग कायम कर रविवार को शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया हैं। हालांकि पुलिस शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। वहीं भारती के परिजनो ने उसकी हत्या किये जाने के आरोप लगाये है। परिजनो का कहना है की भारती के बाएं हाथ की कलाई पर कट का गहरा निशान है। उसके गले पर भी निशान थे। हमें पूरा शक है कि विक्की ने भारती की हत्या की है, जिसे आत्महत्या दिखाने का प्रयास किया जा रहा है।

परिवार वालो का यह भी आरोप है कि बीते शुक्रवार को भारती ने पति विक्की को फोन पर उसकी महिला मित्र से बात करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया था। इसके बाद दोनो के बीच विवाद हुआ तब विक्की ने बहन के साथ मारपीट की थी। बहन ने उन्हें मारपीट की जानकारी दी जब वह उसके घर पहुंचे तो पति-पत्नी का विवाद हो रहा था, वह भारती का घर बिगड़ना नहीं चाहते थे, इसलिये उस समय दोनों को समझाइए दी और भारती को ससुराल में ही रहने दिया। इस बात को लेकर विक्की उसे परेशान करता था। पुलिस का कहना है की सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के सही कारण का खुलासा नहीं हुआ है। पीएम रिपोर्ट के बाद परिवार वालो के डिटेल बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

इन्टरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन बुद्धिस्ट हैरिटेज हब का शुभारंभ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास व धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी व नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की उपस्थिति में इन्टरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन बुद्धिस्ट हैरिटेज हब का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

रविन्द्र भवन में रविवार को आयोजित कान्फ्रेंस को मंत्री श्री कुशवाह, श्री परमार व श्री लोधी सहित देश-विदेश से आए विद्वानों एवं बौद्ध चिंतकों ने अपने विचार व्यक्त किए। निगम अध्यक्ष किशन

सूर्यवंशी ने कहा कि भगवान बुद्ध का शांति, करूणा और मानव कल्याण का संदेश आज भी सम्पूर्ण विश्व को प्रेरित कर रहा है। श्री सूर्यवंशी ने कहा कि बुद्धिस्ट हैरिटेज हब पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से आए विद्वानों एवं बौद्ध चिंतकों के विचार सुनने का अवसर हम सबको मिला है, निश्चित ही यह हमारे लिए प्रेरणादायक है। सूर्यवंशी ने कहा कि यह सम्मेलन बौद्ध विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

करोड़ों की जमीन में हेराफेरी, पटवारी समेत 3 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शहर के रातीबड़ थाना इलाके में सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी कर एक करोड़ की जमीन हड़पने और उसे बेचने के मामले में पुलिस ने हुजूर तहसील के तत्कालीन पटवारी समेत तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और साजिश का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पटवारी ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर सरकारी कागजों और नक्शे में जमकर काट-छांट की। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ग्राम फतेहपुर ढोबरा के तत्कालीन पटवारी सत्यप्रकाश यादव ने शकील खान और मो. कामिल खान नाम के दो स्थानीय लोगों के साथ मिलकर यह साजिश रची। बाद में सरकारी नक्शा शीट पर काली स्याही से एक फर्जी नंबर (बटांकन 220/1) चढ़ा दिया। दूसरे जमीन मालिक की मुख्य सड़क से लगी कीमती जमीन को पीछे की जमीन बता दिया और आगे की महंगी जमीन पर अपना फर्जी नंबर डाल दिया। लेकिन यह फर्जी रिकॉर्ड ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज नहीं हो पाया। जब सरकारी सॉफ्टवेयर वेब जीआईएस ने इस गलत एंट्री को रिजेक्ट कर दिया, तो पटवारी के हाथ से सुधारे गए चालू नक्शे और ऑनलाइन रिकॉर्ड का अंतर पकड़ में आ गया। इसके बाद ही इस पूरे घोटाले का भंडाफोड़ हुआ। आरोपियों ने पीड़ित की जमीन अपनी बताकर दो खरीदारों को रजिस्ट्री कर बेच दी। वहां सीमेंट के पोल लगवाकर अवैध कब्जा भी करा दिया।

जांच में खुलासा हुआ कि रजिस्ट्री के वक्त कोई असली भुगतान नहीं हुआ, बल्कि सिर्फ पोस्ट-डेटेड चेक ही दिए गए थे। रातीबड़ पुलिस ने आरोपी शकील, कामिल और तत्कालीन पटवारी सत्यप्रकाश यादव पर धोखाधड़ी व आपराधिक साजिश का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पटवारी को सस्पेंड करने और विभागीय जांच के लिए पत्र भेजा गया है।

जिला बदर बदमाश साथी गुंडे के साथ कर रहा था हथियार तस्करी

दोनों के कब्जे से 4 देशी पिस्टल, जिंदा कारतूस जप्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल की क्राइम ब्रांच ने दो आदतन बदमाशो को हथियार तस्करी के मामले में रंगे हाथो गिरफ्तार किया है। टीम ने उनके कब्जे से 4 देशी पिस्टल, 4 जिंदा कारतूस, 3 मोबाइल सहित दोपहिया वाहन जप्त किया है। क्राइम ब्रांच एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की शहर में अवैध हथियारो तस्करों की तलाश की जानकारी जुटाने में लगी टीम को मुखबिर से सूचना कि गोविंदपुरा क्षेत्र में दो संदिग्ध युवक हेमा पब्लिक स्कूल चौराहा स्थित रंगमंच के पीछे बैठकर किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। उनके पास जानलेवा हथियार भी हैं। खबर मिलते ही टीम ने घेराबंदी कर दोनो संदिग्ध युवको को पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान अदनान बेग उर्फ पिस्टल निवासी जहांगीराबाद और रंजीत सिंह दांगी निवासी जिला सीहोर के रुप में हुई। तलाशी लेने पर दोनों आरोपियों के कब्जे से एक-एक देशी पिस्टल, दो-दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला कायम कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

जिला बदर था अदनान, दर्जन भर से अधिक मामले है दर्ज

अधिकारियो ने बताया की पकड़ाया गया आरोपी अदनान बेग उर्फ पिस्टल एसी रिपेरिंग का काम करता है, और आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ थाना जहागीराबाद, एमपी नगर, छोला मंदिर, टीटी नगर, अशोका गार्डन, अरेरा हिल्स, निशातपुरा और थाना क्राइम ब्रांच में हत्या, एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट के दर्जन भर से अधिक प्रकरण दर्ज है। थाना क्राइम ब्रांच में दर्ज एनडीपीएस (ड्रग्स) प्रकरण, थाना छोला मंदिर के हत्या प्रकरण एवं थाना गौतम नगर के अड़ीबाजी के प्रकरण में फरार चल रहा था। साथ ही वो अशोका गार्डन के एक मामले में स्थायी वारंटी था। उसका अपराधिक रिकार्ड देखते हुए 6 माह के लिए भोपाल शहर एवं आसपास के जिलों की सीमाओं से जिला बदर किया गया था।

भोपाल ने देखा फिटनेस, ऊर्जा और जुनून का अनूठा संगम

खेल मंत्री सारंग ने किया 'वेलोसिटी नाइट रन 2026' का शुभारंभ, देर रात तक दौड़ते रहे कदम और गूंजता रहा उत्साह

भोपाल ■ अमृत दर्शन

रोशनी से जगमगाते टीटी नगर स्टेडियम में शनिवार रात फिटनेस, जोश और युवा ऊर्जा का अनूठा नजारा देखने को मिला, जब रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी (आरएनटीयू) द्वारा आयोजित 'वेलोसिटी नाइट रन 2026' का भव्य आयोजन किया गया। भोपाल में पहली बार आयोजित इस अनूठी नाइट रन में बड़ी संख्या में रनर्स, फिटनेस प्रेमियों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन ने स्वास्थ्य जागरूकता, फिटनेस और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रभावी संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग तथा विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री बी एस यादव रहे। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर नाइट रन का शुभारंभ किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें 700 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 8 वर्ष के बच्चों से लेकर 70 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिकों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ दौड़ में भागीदारी कर फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों की मौजूदगी ने इस आयोजन को केवल एक रनिंग

इवेंट नहीं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता और सक्रिय जीवनशैली का जन-आंदोलन बना दिया। स्टेडियम में उपस्थित लोगों ने युवा धावकों के साथ-साथ वरिष्ठ प्रतिभागियों का भी जोरदार उत्साहवर्धन किया, जिससे पूरे आयोजन का माहौल और अधिक प्रेरणादायी एवं ऊर्जावान बन गया।

स्टेडियम की आकर्षक रोशनी, ऊर्जावान संगीत, हजारों कदमों की लय और प्रतिभागियों के जोश ने पूरे वातावरण को उत्सव में बदल दिया। प्रतियोगिता में 1 घंटे, 2 घंटे एवं 3 घंटे की विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों ने अपनी सहनशक्ति, अनुशासन और फिटनेस का शानदार प्रदर्शन किया। रन के दौरान निर्धारित ट्रैक लेनों एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं ने आयोजन को सुरक्षित और सफल बनाया।

मुख्य अतिथि श्री विश्वास सारंग ने कहा कि आज के समय में फिटनेस केवल खिलाड़ियों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए इस प्रकार के नवाचारपूर्ण आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा नाइट रन जैसी अनूठी पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे युवाओं में खेल और स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा। विशिष्ट अतिथि श्री बी एस यादव ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त साधन है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से खेल और फिटनेस गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कहा कि 'वेलोसिटी नाइट रन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि फिट और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक सार्थक पहल है।

देर रात हवाई फायरिंग कर बदमाशों ने फैलाई दहशत

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना इलाके में स्थित अशोका कालोनी में शुक्रवार देर रात दो स्कूटी सवार बदमाशों ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैला दी। वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे बदमाशों की स्कूटी सड़क पर गिर गई। इससे पहले लोग उन्हें दबोच पाते वे फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात करीब दस बजे स्कूटी सवार दो युवक अशोका कालोनी की एक गली में पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए हवा में कई राउंड फायर किए। गोली और शोर की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकल आए। बताया गया है कि बदमाश किसी व्यक्ति को डराने या इलाके में अपना वर्चस्व दिखाने आए थे। फायरिंग के तुरंत बाद भागने के दौरान उनकी स्कूटी फिसल गई और दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े।

अनमोल वचन

उर्दू लिखने के लिये देवनागरी अपनाने से उर्दू उत्कर्ष को प्राप्त होगी।
खुशवन्त सिंह

सपने पूरे होंगे लेकिन आप सपने देखना शुरू तो करें।
अब्दुल कलाम

सम्पादकीय

कॉकरोच का जंतर मंतर में प्रदर्शन अरुण जेटली और सीजेआई संयोग?

संसद में जब विपक्षी दल सरकार पर नोटबंदी को लेकर विरोध जता रहे थे उस समय पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था जनता को यदि परेशानी होती तो वह सड़कों पर होती। जनता को नोटबंदी से कोई परेशानी नहीं है, विपक्षियों को नुकसान हुआ है इसलिए वह विरोध जता रहे हैं। कुछ समय पहले मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत जी ने बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच की पहचान से नवाजा था। इसके विरोध में सारे युवा एकजुट हो रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार शिक्षा, रोजगार, नौकरी और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं दे पा रही है। स्नातक और पर परास्नातक की डिग्री लेने के बाद भी युवा बेरोजगार होकर यहां से वहां घूम रहे हैं। नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। हर परीक्षा में धांधली हो रही है। ऐसी स्थिति में युवाओं के बारे में जो टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने की उसने युवा कॉकरोच को सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। रही सही कसर नीट परीक्षा का पेपर लीक होना तथा सीबीएसई के परीक्षा परिणाम में जिस तरह की गड़बड़ी हुई है उसमें जो भ्रष्टाचार हुआ है उसको लेकर लाखों छात्र और उनके परिवारजन सड़कों पर आने के लिए विवश हुए हैं। 6 जून काकरोचों के लिए एक ऐतिहासिक दिन साबित होने जा रहा है। जब अमेरिका से आकर दीपक अभीजीते के नेतृत्व में हजारों लोगों की भीड़ जंतर मंतर पर पहुंच गई। यह भीड़ अपनी लड़ाई अब स्वंय लड़ने के लिए देश भर में इकट्ठी हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से सरकार असंवेदनशील होती चली जा रही है। जन आंदोलनो को सख्ती के साथ दबाया जा रहा है। किसान आंदोलन से लेकर अभी तक जितने भी आंदोलन हुए हैं, सरकार ने आंदोलनो को दबाने के लिए पुलिस का सहारा समय-समय पर लिया है। लाठी चार्ज, वाटर कैनिंग, आंसू गैस के गोले इत्यादि का प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ दिया जाता है, लेकिन उनके द्वारा जिन समस्याओं को लेकर आंदोलन किए जा रहे थे उन पर केंद्र एवं राज्य सरकारें कोई निर्णय नहीं लेती हैं। अब पानी सर के ऊपर से गुजर चुका है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बाजारवाद, कर्ज ऐसे मामले हो गए हैं जिनसे सबसे ज्यादा परेशान युवा वर्ग है। पढ़ाई करने के बाद भी उसे कोई रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है। जो प्रतियोगी अथवा चयन के लिए परीक्षाएं हो रही हैं उन सब में पेपर लीक हो रहे हैं। पिछले दरवाजे से नौकरियां दी जा रही हैं। सारी व्यवस्था सत्ता में बैठे हुए लोगों के हाथ में केंद्रित हो गई है। करोड़ों युवा यहां से वहाँ भाग रहे हैं। ना तो उन्हें कोई काम मिल रहा है ना सरकारी नौकरी मिल रही है और ना ही संविदा नौकरी ही मिल रही है, उल्टे हर परीक्षा के नाम पर बेरोजगारों को लूटा जा रहा है। इससे अब युवा वर्ग नाराज होकर सड़कों पर आ गया है। शासन-प्रशासन और न्यायालय से वह पूरी तरह से निराश हो चुका है। शासन-प्रशासन और न्यायालय, सरकार और पूंजीपतियों के दबाव में काम कर रही हैं, जिसके कारण युवा वर्ग इस समय आक्रोशित है। रही सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी। एसआईआर को लेकर जिस तरह से युवा मतदाताओं को परेशान और प्रताड़ित किया जा रहा है, उन्हें अब यह भी शक होने लगा है कि वह भारत के नागरिक हैं या नहीं। ऐसी स्थिति में अब उसका सड़कों पर उतरना तथा अपने जीवन की आर- पार की लड़ाई लड़ने का जैसे उसे एक लक्ष्य मिल गया है। युवा जिस तरह से आक्रोशित हैं उनका आक्रोश जायज है। जब वह परिवार में जाते हैं तो मां-बाप और परिवारजन उनकी बेरोजगारी को लेकर ताना कसते हैं। 30-35 साल की उम्र हो जाने के बाद भी उनकी शादी नहीं हो पा रही है। शादी नहीं होने का कारण बेरोजगारी है। सरकारी पद करोड़ों की संख्या में खाली पड़े हुए हैं। लोग सेवानिवृत होते जा रहे हैं। सरकारी पदों पर लगातार कटौती की जा रही है। कानून बदल दिए गए हैं। अब ठेके पर संविदा नौकरी दी जा रही है उसमें अधिकतम 12000 से 20000 तक मिल रहे हैं। यह नौकरी कभी भी छूट जाती है, जिसके कारण लड़के और लड़कियां शादी के बंधन में बंधना नहीं चाहते हैं। जब इतनी सारी समस्या हो तब केंद्र सरकार, राज्य सरकार और सुप्रीम कोर्ट जैसे सबसे ऊंचे पद पर बैठे हुए लोग युवाओं की अनदेखी करें ऐसी स्थिति में युवाओं को सड़कों पर उतरने के अलावा कोई चारा भी नहीं है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना होगा। ऐसा क्यों हो रहा है, भारत सबसे बड़ा युवा आबादी वाला देश है। चीन जैसा देश जो कभी आबादी में सबसे बड़ा होता था उसने पिछले 30 वर्षों में जो विकास किया है उसने सारी दुनिया को चौंका दिया है। आज चीन निर्माण, रिसर्च और तकनीकी के क्षेत्र में सबसे आगे है और वह एक महाशक्ति बनने की कगार पर आकर खड़ा हो गया है। जिस तरह से चीन अमेरिका और रूस के मुकाबले आर्थिक और सामरिक संसाधनों से युक्त होते हुए उनके सामने खड़ा है। यह चीन की बड़ी सफलता है, लेकिन भारत इन्हीं 30 वर्षों में किस तरीके से चीन के ऊपर निर्भर होता चला गया है, हमने अपनी युवा पीढ़ी को सही दिशा देने में निश्चित रूप से कोई कोताही बरती है जिसके कारण पिछले 30 वर्षों में चीन के मुकाबले भारत तेजी के साथ बिछड़ना जा रहा है और आज हमारी सबसे बड़ी शक्ति जो युवा पीढ़ी के रूप में हमारे साथ है। वह आज सरकार, शासन-प्रशासन और पूंजीवाद के विरोध में सड़कों पर आने के लिए विवश हो गई है। सरकार इस गंभीर मामले को हल्के मे ले रही है। उसके कारण यह चिंता बढ़ना स्वाभाविक है कि आने वाला भविष्य भारत का किस तरह का होगा। युवा पीढ़ी के सामने अपना पूरा भविष्य पड़ा हुआ है यदि वही युवा आज अंधेरे में हाथ पैर मार रहा है। ऐसी स्थिति में स्थिति काफी चिंतनीय हो गई है। न्यायपालिका भी इस समय सरकार के दबाव में है। युवाओं का विश्वास न्यायपालिका से खत्म होता हुआ दिख रहा है यह स्थिति और भी चिंता को बढ़ा देती है। सही मायने में मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं को कॉकरोच कहकर एक बड़े वर्ग में जो हलचल पैदा की है वह समुद्र मंथन की तरह है। अब इस मंथन से क्या निकाल कर आता है यह समय तय करेगा।

चिंतन-मनन

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है। मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शर्क्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ति है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो।

विश्व शांति के लिए बढ़ता खतरा और संयम की आवश्यकता

कांतिलाल मांडोत

> *हाल ही में अमेरिका द्वारा ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई ने तनाव को और बढ़ा दिया है। अमेरिका का कहना है कि यह कदम अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। दूसरी ओर ईरान ने इस कार्रवाई को उकसावे की नीति बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इसके जवाब में कुवैत की दिशा में मिसाइलें दागे जाने की घटनाओं ने पूरे क्षेत्र में भय और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। यद्यपि विभिन्न पक्ष अपने-अपने तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं।*

मध्य पूर्व एक बार फिर अशांति और संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की शांति, सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच जिस प्रकार सैन्य गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे यह आशंका गहरा गई है कि यदि समय रहते स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो इसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाई देगा। ऐसे समय में जब दुनिया पहले से ही अनेक आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है, तब किसी नए बड़े संघर्ष की संभावना मानवता के लिए चिंता का विषय है।

हाल ही में अमेरिका द्वारा ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई ने तनाव को और बढ़ा दिया है। अमेरिका का कहना है कि यह कदम अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। दूसरी ओर ईरान ने इस कार्रवाई को उकसावे की नीति बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इसके जवाब में कुवैत की दिशा में मिसाइलें दागे जाने की घटनाओं ने पूरे क्षेत्र में भय और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। यद्यपि विभिन्न पक्ष अपने-अपने तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि सैन्य कार्रवाई किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लोगों से शांत रहने की अपील करते हुए कहा है कि अंततः सब ठीक हो जाएगा और ईरान वास्तव में समझौता करना चाहता है। यह बयान कुछ हद तक आशा जगाता है, किंतु इसके साथ ही सैन्य हमलों का जारी रहना विरोधाभासी स्थिति उत्पन्न करता है। यदि वास्तव में बातचीत और समझौते की संभावना मौजूद है तो फिर सैन्य दबाव बढ़ाने की रणनीति शांति प्रक्रिया को कमजोर कर सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी संवाद के स्थान पर हथियारों को प्राथमिकता दी गई है, तब संघर्ष और अधिक जटिल हुआ है।

ईरान ने भी अमेरिका के साथ चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं को रोकने का संकेत देकर स्पष्ट कर दिया है कि वह दबाव की राजनीति स्वीकार करने को तैयार नहीं है। ईरानी नेतृत्व का मानना है कि लगातार सैन्य कार्रवाई और प्रतिबंधों के बीच सार्थक वार्ता संभव नहीं है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई लगातार गहरी होती जा रही है। किसी भी समझौते की सफलता के लिए परस्पर विश्वास आवश्यक होता है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह विश्वास कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है।

इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष होर्मुज जलडमरूमध्य है। यह समुद्री मार्ग विश्व के ऊर्जा व्यापार की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से में उपयोग होने वाला तेल इसी मार्ग से होकर गुजरता है। यदि इस क्षेत्र में संघर्ष बढ़ता है या समुद्री यातायात बाधित होता है तो इसका सीधा असर वैश्विक तेल आपूर्ति पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन, उद्योग और व्यापार प्रभावित होंगे, जिसका असर आम लोगों तक पहुंचेगा। विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर इसका विशेष रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

जापान, यूरोपीय संघ और सऊदी अरब जैसे देशों द्वारा शांति और संयम की अपील किया जाना इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस स्थिति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहा है। जापान ने विशेष रूप से संवाद और समझौते का रास्ता अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। यूरोपीय देशों का भी मानना है कि सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सऊदी अरब ने क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इन प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि दुनिया का अधिकांश हिस्सा युद्ध नहीं बल्कि शांति चाहता है।

आज के वैश्विक युग में किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष का प्रभाव सीमित नहीं रहता। एक देश में पैदा हुई अस्थिरता दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान दुनिया ने देखा कि कैसे एक क्षेत्रीय संघर्ष ने खाद्यान्न, ऊर्जा और व्यापार व्यवस्था को प्रभावित किया। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ता है तो उसके परिणाम भी व्यापक और दूरगामी हो सकते हैं। इसलिए यह केवल मध्य पूर्व का मामला नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता का विषय है।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इन संस्थाओं का उद्देश्य ही वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। उन्हें दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कराने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय पहल करनी चाहिए। विश्व समुदाय को भी निष्पक्ष और रचनात्मक भूमिका निभानी होगी ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी या उकसावे की स्थिति को रोका जा सके।

यह भी आवश्यक है कि दोनों देशों के नेतृत्व दूरदर्शिता और धैर्य का परिचय दें। भावनात्मक प्रतिक्रियाएं और शक्ति प्रदर्शन अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन दीर्घकाल में वे विनाशकारी सिद्ध होते हैं। युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। हजारों परिवार उजड़ जाते हैं, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं और विकास की गति वर्षों पीछे चली जाती है। इसलिए किसी भी जिम्मेदार नेतृत्व का पहला कर्तव्य शांति और स्थिरता को प्राथमिकता देना होना चाहिए।

मानव इतिहास ने यह सिखाया है कि युद्ध कभी भी अंतिम समाधान नहीं होता। अंततः हर संघर्ष का समाधान बातचीत की मेज पर ही खोजा जाता है। यदि ऐसा है तो फिर अनावश्यक सैन्य टकराव और शक्ति प्रदर्शन से बचना ही बुद्धिमानी है। अमेरिका और ईरान दोनों प्रभावशाली राष्ट्र हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे वैश्विक जिम्मेदारी का परिचय दें और ऐसे कदम उठाएं जो तनाव कम करने में सहायक हों।

आज आवश्यकता इस बात की है कि दोनों देश संवाद, विश्वास और सहयोग का मार्ग अपनाएं। विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं बल्कि मानव सभ्यता की आवश्यकता है। यदि शांति बनी रहेगी तभी विकास, समृद्धि और स्थिरता संभव होगी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है कि संघर्ष का रास्ता अंततः विनाश की ओर ले जाता है, जबकि संवाद और समझौता ही स्थायी समाधान प्रदान करते हैं। विश्व समुदाय की यही अपेक्षा है कि दोनों देश संयम बरतें, शांति बनाए रखें और मानवता के हित में ऐसे निर्णय लें जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्थिर भविष्य सुनिश्चित कर सकें।

अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026

किशन सनमुखदास भावनानी

> *उच्च वेतन आधारित चयन प्रणाली की वकालत, वीजाआवेदनों की कड़ी जांच, रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में बाधाएं, विदेशी श्रमिकों की भर्ती पर बढ़ती निगरानी, अमेरिकी कर्मचारियों को प्राथमिकता देने वाली नीतियां तथा विदेशी छात्रों के लिए उपलब्ध अवसरों को सीमित करने जैसे अनेक कदम इस व्यापक नीति परिवर्तन का हिस्सा माने जा रहे हैं। इसी क्रम में टेक्सास से रिपब्लिकन सांसद द्वारा अमेरिकी संसद में प्रस्तुत अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 ने वैश्विक स्तर पर बहस छेड़ दी है।*

- एच-1बी वीजा से ग्रीन कार्ड का रास्ता बंद करने की कवायद, भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए नई चुनौती? अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 और भारत की वैश्विक रणनीति: क्या भारत पहले से कर रहा है संभावित झटके की तैयारी? भारतीय मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, सेमीकंडक्टर मिशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण तथा वैश्विक सप्लाई चेन से भारतीय प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास वैश्विक प्रतिभा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और आर्थिक राष्ट्रवाद के बीच अमेरिका की आव्रजन नीति एक नए निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प के सत्ता में लौटने के बाद अमेरिकीप्रशासन ने कानूनी आव्रजन कार्यक्रमों, विशेषकर एच-1बी वीजा प्रणाली, पर लगातार सख्ती का रुख अपनाया है। यदि यह विधेयक कानून का रूप लेता है तो एच-1बी वीजा धारकों के लिए ग्रीन कार्ड प्राप्त करने का मार्ग अत्यंत कठिन हो जाएगा, वीजा अवधि घट सकती है, ओपीटी कार्यक्रम समाप्त हो सकता है और अमेरिका में कार्यरत लगभग 12 लाख भारतीय मूल के पेशेवरों तथा उनके परिवारों के भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यह केवल एक आव्रजन सुधार प्रस्ताव नहीं, बल्कि अमेरिका की बदलती आर्थिक, राजनीतिक और श्रम नीति का प्रतीक माना जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि एच-1बी वीजा पिछले कई दशकों से अमेरिका की तकनीकी और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में उच्च कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करती हैं। विशेष रूप से भारतीय आईटी पेशेवरों ने इस कार्यक्रम का सबसे अधिक लाभ उठाया है।विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों में कार्यरत हजारों भारतीय इंजीनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा वैज्ञानिक और अनुसंधान विशेषज्ञ एच-1बी वीजा के माध्यम से अमेरिका पहुंचे हैं। यही कारण है कि एच-1बी वीजा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन भारत के तकनीकी समुदाय और छात्रों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय बन जाता है।

साथियों वैश्विक भू-राजनीति, आर्थिक राष्ट्रवाद और प्रतिभा आधारित प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका द्वारा प्रस्तावित अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 केवल एक आव्रजन सुधार विधेयक नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे वैश्विक प्रतिभा प्रवाह, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय श्रम बाजार के पुनर्गठन के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। विशेष रूप से भारत के संदर्भ में यह विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि एच- 1बी वीजा प्रणाली के सबसे बड़े लाभार्थियों में भारतीय पेशेवर शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई गई अमेरिका फर्स्ट नीति, कानूनी और अवैध दोनों प्रकार के आव्रजन पर सख्ती,एच-1बी वीजानियमों की समीक्षा तथा अमेरिकी नौकरियों को प्राथमिकता देने की रणनीति ने भारत को यह संकेत पहले ही दे दिया था कि भविष्य में अमेरिकी श्रम बाजार भारतीय पेशेवरों के लिए पहले जैसा खुला नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत समानांतर रूप से अपने आर्थिक, व्यापारिक और रणनीतिक विकल्पों को मजबूत करने में जुटा हुआ दिखाई देता है।

साथियों, रिपब्लिकन सांसद का तर्क है कि लगभग चार दशकों के इतिहास में एच-1बी कार्यक्रम का व्यापक दुरुपयोग हुआ है। उनके अनुसार अमेरिकी नियोक्ताओं ने कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त कर अमेरिकी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र के कर्मचारियों के अवसरों को सीमित किया है। उनका दावा है कि कंपनियों ने कर्मचारियों की कथित कमी का हवाला देकर सस्ते विदेशी श्रमिकों को प्राथमिकता दी जबकि अनेक अमेरिकी नागरिक रोजगार और वेतन संबंधी चुनौतियों का सामना करते रहे। इसी सोच के आधार पर उन्होंने अमेरिकन व्हाइट- कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट प्रस्तुत किया है, जिसका घोषित उद्देश्य अमेरिकी व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना है।इस विधेयक का सबसे विवादास्पद प्रावधान एच-1बी वीजा से ग्रीन कार्ड तक पहुंचने के रास्ते को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया कदम है। वर्तमान व्यवस्था में एच-1बी धारक अमेरिका में कार्य करते हुए रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। यही कारण है कि लाखों विदेशी पेशेवर अमेरिका में दीर्घकालिक करियर और पारिवारिक भविष्य की योजना बनाते हैं। प्रस्तावित कानून इस अवधारणा को बदलना चाहता है। इसके अनुसार एच-1बी वीजा केवल अस्थायी कार्य वीजा रहेगा और इसे स्थायी निवास प्राप्त करने के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इससे अमेरिका में बसने की आकांक्षा रखने वाले लाखों लोगों की योजनाओं पर सटीकता से गहरा प्रभाव पड़ सकता है। साथियों, विधेयक का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ड्यूल इंटेंट सिद्धांत को कमजोर करना है।वर्तमान प्रणाली में एच -1बी धारक अमेरिका में अस्थायी रूप से काम करते हुए भविष्य में स्थायी निवास के लिए आवेदन कर सकते हैं। लेकिन प्रस्तावित व्यवस्था में आवेदक को यह साबित करना होगा कि उसका स्थायी निवास अमेरिका के बाहर है और वह अंततः अपने देश लौटने का इरादा रखता है। यह परिवर्तन अमेरिकी आव्रजन दर्शन में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है, क्योंकि इससे एच-1बी वीजा का स्वरूप मूलतः अस्थायी रोजगार कार्यक्रम तकसीमित हो जाएगा।

जब बाड़ ही खेत खाने लगे ....

चैतन्य भट्ट

कानून व्यवस्था बनाए रखने और भृष्टाचार निवारण हेतु जिम्मेदार दो सरकारी संस्थानों से जुड़ी खबरें सुर्खियों में हैं। दुखद यह है कि ख़बरें इनकी कार्यकुशलता को लेकर नहीं बल्कि इनकी छवि को दागदार बनाने से संबंधित हैं। भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेस त्विशा शर्मा की बहुचर्चित संदिग्ध मौत के मामले में भोपाल पुलिस की कार्यप्रणाली शुरु से ही ढुलमुल और लापरवाही भरी रही। मामले को आत्महत्या बताने की जल्दबाजी में मृतका के शरीर पर मौत से पहले के 7 गंभीर घाव/चोटों को नजरअंदाज करने जैसे गंभीर आरोपों की हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान भी पुष्टि हुई और सरकार को केस सीबीआई को ट्रांसफर करना पड़ा। सीबीआई को बेतरतीब और आधी-अधूरी केस डायरी सौंपी गई उसमें घटनाक्रम का कोई निश्चित क्रम दर्ज नहीं था। एम्स के डॉक्टरों के पैनल के सामने पोस्टमार्टम के समय घटना में इस्तेमाल किया गया फंदा पेश न करने जैसी बड़ी प्रक्रियात्मक चूक भी हुई। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपी पति समर्थ सिंह और सास गिरीबाला सिंह, जो रिटायर्ड जज हैं, के रसूख के कारण भोपाल पुलिस ने शुरुआती कार्रवाई नहीं की और आरोपियों को साक्ष्य प्रभावित करने का मौका मिला। दूसरे घटनाक्रम में एक प्रतिष्ठित अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक संस्था लोकायुक्त के तकनीशियन, हेड कांस्टेबल यहां तक कि डीएसपी स्तर के अधिकारी रिश्वत लेकर ट्रैप केस और जांच रिपोर्ट्स को कमजोर करते कैमरे में पकड़े गए। लोकायुक्त संगठन के भीतर ही घूस का यह नेटवर्क लाखों के बदले ट्रैप मामलों के आरोपियों को मामलों की ट्रांसक्रिप्ट और वॉयस सैंपल को मैनेज करने के लिए 3 से 5 लाख रुपए तक लेकर राहत दिलाने की डील कर रहा था। त्विशा शर्मा मामले में सरकार द्वारा खुद मामला सीबीआई को सौंपे जाने का प्रस्ताव पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है और इस तथ्य की परोक्ष स्वीकृति है कि पुलिस दबाव में काम करती है। दूसरे मामले में लोकायुक्त के शीर्ष नेतृत्व द्वारा फौरन एक्शन लेते हुए 2 डीएसपी को पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय अटैच और अन्य 3 कर्मचारियों को सस्पेंड किया जाना भी परोक्ष स्वीकारोक्ति है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इन बातों में दम है जांच एजेंसियां भ्रष्टाचारियों को सजा दिलाने के बजाय उन्हें क्लीन चिट देने का काम कर रही हैं। पुलिसिया व्यवस्था में जनता के घटते भरोसे को लेकर उठने वाले सवाल नये नहीं हैं। छतरपुर जिले में महज दो महीनों के भीतर हिरासत में 4 युवकों की संदिग्ध मौतें हुईं। परिजनों ने पुलिस हिरासत में मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए, जिसके बाद यह मामला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट तक पहुंच गया। इंदौर में आपराधिक मुकदमों में कोर्ट में पेश किए जाने वाले गवाहों को लेकर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया। विभिन्न थानों के सैंकड़ों मुकदमों में मात्र दो लोगों को ही गवाह बनाया गया था। समय पर गवाह पेश न करने पर कोर्ट में गंभीर सवाल उठते रहे हैं। रिश्वत और वसूली की खबरें जब तब सुर्खियां बनती हैं। पुलिस थानों और उच्चाधिकारियों के बीच तनाव की खबरें भी आती रहती हैं। नीमच और दतिया जिलों में हेड कांस्टेबल व एएसआई द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के दबाव और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आत्महत्या करने जैसी दुखद घटनाओं ने विभाग के अंदर की स्थिति उजागर की है। जन आक्रोश भी मुखर होता दिखाई देता रहता है। खरगोन के चैनपुर और अन्य क्षेत्रों में संदिग्ध मौतों की सूचना के बाद पुलिस के मौके पर देरी से पहुंचने पर ग्रामीणों की नाराजगी सामने आई और कई जगह जनता ने पुलिस का विरोध किया। इन चुनौतियों के बीच पुलिस प्रशासन की छवि सुधारने और जन-संवाद बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं।

खास बात

अब अमेरिका, भारत का फायदा उठाएगा?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है। भारत ने कई दशकों तक अमेरिका का फायदा उठाया है। अब बारी अमेरिका की है। वह कई दशकों तक भारत का फायदा उठाएगा। समय बदलता है, समय के साथ सब चीज बदल जाती हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप के दोस्त हैं। दोस्त के रहते फायदा नहीं उठाएंगे तो कब उठाएंगे। पहले अमेरिका साहूकार था, अमेरिका की नजर में भारत साहूकार है। भारत के लिए यह गर्व की बात है। वह अमेरिका का फायदा कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस पर गर्व होना स्वाभाविक है।

सरकारी बांड लो, नहीं लगेगा टैक्स

समय की बलिहारी है। विदेशी निवेशक सरकारी बांड में निवेश करेंगे, तो उन्हें कैपिटल गैन टैक्स नहीं देना पड़ेगा। देसी निवेशक जो भी निवेश करेंगे, उन्हें कैपिटल टैक्स देना पड़ेगा। सरकार ने विदेशी निवेशकों को टैक्स मे छूट दी है। निश्चित रूप से गोरे और काले के बीच में कुछ तो फर्क करना ही होगा। मोदी सरकार का सारे विश्व में डंका बज रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को विदेशी निवेश के लिए अब ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। विदेशी मुद्रा से भारत का खजाना जल्द ही लबालब हो जाएगा।

महंगाई बढ़ेगी जीडीपी घटेगी?

केंद्र की सरकार को ठीकरा फोड़ने के लिए कोई ना कोई कारण मिल ही जाता है। नोटबंदी और जीएसटी के बाद ठीकरा, कोरोना पर फोड़ा गया था। अब सारी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है। सरकार के भाग्य से पश्चिम एशिया के देशों में जो संकट चल रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच जो लड़ाई हो रही है। उससे कच्चे तेल, गैस और खाद के दाम बढ़ रहे हैं। भारत में महंगाई तेजी के साथ बढ़ रही है। पीडीपी की दर घट रही है। इसका ठीकरा सरकार ने अमेरिका-ईरान युद्ध पर फोड़ना शुरू कर दिया है। सरकार इसके अलावा क्या कर सकती है। सरकार के लिए एक नया सिर हमेशा तैयार रहता है। जिसके ऊपर ठीकरा सरकार फोड़ देती है।

और लो राजा, खान सर पर हत्या का मुकदमा

बिहार में जो कुछ हो रहा है। उसको देखते हुए सभी हैरान हैं। खान सर की अकादमी में हमला किया गया था। हमले के बाद बिहार की पटना पुलिस ने खान सर के खिलाफ ही हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। उनका गार्ड पिटा, अस्पताल में भर्ती हुआ। अकादमी में गोलीबारी हुई, उन्हीं पर मुकदमा दर्ज हो गया। बहुत सरकार के खिलाफ बोलते थे। अब जेल में चुप रहना सीख लेंगे। अंधेर नगरी और चौपट राजा देखना है तो बिहार का हत्या का आरोपी मुख्यमंत्री है। वहां जाकर देखकर आ जाएं।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, द्वितीय ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, अष्टमी, सोमवासरे, पू.भा. नक्षत्रे, वि/प्री योगे, वालव करणे, कुंभ की चंद्रमा, रवि 35/25 व्यापार धान्य छेदन मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, लेखापाल, व्यवसायी, उन्नतिशील, गुणवान, धनवान होगा।

मेष राशि- स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन से सफलता निश्चय ही मिलेगी।

वृष राशि- कार्य में सफलता मिले, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, शत्रु कमजोर होगा।

मिथुन राशि- यह सप्ताह व मास उत्तम फलकारक है, अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि- नौकरी में व्यवधान हो सकता है, व्यवसाय ठीक नहीं चलेगा, ध्यान रखें।

सिंह राशि- आप आनंद का अनुभव करेंगे, केतु ग्रह पीड़ा कारक है, आपसी मतभेद बने।

कन्या राशि- मनोरंजन से अति हर्ष होवे, व्यवसाय में लाभ होगा, रुका कार्य अवश्य होगा।

तुला राशि- पारिवारिक उत्तरदायित्व की वृद्धि होगी, आमोद-प्रमोद में विशेष ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- मानसिक तनाव आकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों की सहानुभूति अवश्य होगी।

धनु राशि- व्यवसाय की उन्नति से आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार होगा।

मकर राशि- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारी वर्ग की कृपा का लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग मिले, उत्तम लाभ के योग बनेंगे, ध्यान दें।

मीन राशि- गृह-कलह, हीन मनोवृत्ति, शारीरिक परेशानी अवश्य बनेगी, व्यवसाय उत्तम होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

8 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.47 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	08.00 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.16 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.28 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.39 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	16.54 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.01 बजे से
राहुकाल		मीन	00.34 बजे से
7.30 से 9.00		मेष	02.05 बजे से
बजे तक		वृष	03.45 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 159 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 09.10 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 09.28 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.31 बजे तदनन्तर कौलव 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर $22^{0}50'$
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872734
जूलियन दिन 2461199.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 22
विशेष अधिक कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

धर्मनगरी उज्जैन को मिलेगी नई पहचान, 220 करोड़ की लागत से स्थापित होगी भव्य श्रीकृष्ण मूर्ति

उज्जैन ■ निसं

जल्द ही भगवान श्रीकृष्ण की विराट स्वरूप मूर्ति के रूप में देश को एक नई पहचान देने जा रहा है। ह्यश्री महाकाल महालोकह्व के बाद यहां एक और भव्य धार्मिक-पर्यटन परियोजना आकार लेने जा रही है। परियोजना, 220 करोड़ रुपये की है, जिससे उज्जैन विकास प्राधिकरण यूनिटी माल के पीछे शिप्रा नदी तट पर 151 फीट ऊंची भगवान श्रीकृष्ण की विराट स्वरूप धातु की मूर्ति स्थापित करेगा।

30 एकड़ क्षेत्र विकास की इस परियोजना में मूर्ति के साथ अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड शो, प्रोजेक्शन मैपिंग और विशाल हरित पर्यटन क्षेत्र विकसित किया जाएगा। विशेष बात यह है कि मूर्ति का निर्माण सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व प्रसिद्ध 182 मीटर ऊंची प्रतिमा के शिल्पकार पद्मभूषण राम वनजी सुतार के पुत्र एवं ख्यात आर्किटेक्ट डा. अनिल राम सुतार करेंगे। लगभग 30 फीट ऊंचे पेडस्टल पर स्थापित होने वाली यह प्रतिमा भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप को दर्शाएगी और इसके देश की सबसे बड़ी धातु निर्मित कृष्ण प्रतिमा बनने की संभावना जताई जा रही है। परियोजना को अंतिम स्वरूप देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी सिलसिले में आर्किटेक्ट अनिल सुतार उज्जैन और विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी से मिले। बैठक में मूर्ति के स्वरूप, उसके धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व तथा पूरे परिसर के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बताया गया कि प्रतिमा को ऐसा स्वरूप दिया जाएगा जो भगवान श्रीकृष्ण के विराट रूप, उनके दर्शन और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें।

उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन की श्रीकृष्ण पाथेय परियोजना में शामिल है जिसके तहत 81 करोड़ रुपये से मंगलनाथ रोड स्थित महर्षि सांदीपनि आश्रम और 120 करोड़ रुपये से महिदपुर के नारायणा धाम का विकास एवं सुंदरीकरण कार्य भी होना है।

मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा प्रस्ताव

परियोजना का प्रारंभिक खाका और वित्तीय प्रस्ताव तैयार हो चुका है। करीब 220 करोड़ रुपये की इस योजना को अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन और निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना केवल एक प्रतिमा निर्माण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उज्जैन को धार्मिक पर्यटन के राष्ट्रीय मानचित्र पर नई ऊंचाई प्रदान करेगी। महाकाल लोक के बाद यह परियोजना शहर के लिए एक और बड़ा आकर्षण बन सकती है।

स्टैच्यू आफ यूनिटी की तर्ज पर विकसित होगा परिसर

योजना के अनुसार यूनिटी माल के पीछे शिप्रा नदी क्षेत्र से लगी लगभग 30 एकड़ भूमि को एक विशेष धार्मिक-पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां हरित परिदृश्य, आकर्षक उद्यान, दर्शक दीर्घा, भ्रमण पथ और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रतिमा परिसर में स्टैच्यू आफ यूनिटी की तर्ज पर अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड शो तथा प्रोजेक्शन मैपिंग का भी प्रावधान रखा गया है।

इंदौर पुलिस के विशेष प्रशिक्षण शिविर का समापन

इंदौर। आगामी वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस मुख्यालय भोपाल के निदेर्शानुसार, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। जिसके परिप्रेक्ष्य में डीआरपी लाइन इंदौर में 06 दिवसीय विशेष सिंहस्थ प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति मे किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त महोदय द्वारा प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा करते हुए सिंहस्थ महापर्व के दौरान की जाने वाली कार्यवाहियों एवं सावधानियों के बारे मे अवगत कराया गया।

इस दौरान पुलिस कमिश्नर सर द्वारा बताया कि सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालुओं का आगमन होता है। आयोजन में सुरक्षा, कानून व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, आपदा प्रबंधन एवं जनसुविधाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल प्रशिक्षित होगा। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों को श्रद्धालुओं के प्रति संवेदनशील एवं सेवा-भाव आधारित व्यवहार, संकट की स्थिति में त्वरित निर्णय क्षमता, तनाव प्रबंधन, जनसंपर्क कौशल तथा तकनीक आधारित आधुनिक पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराया गया।

हरियाली पर चल रही कुल्हाड़ी, जहां रोपे जाने हैं पौधे वहां नजर आ रहे कटे पेड़ों के ठूंठ

खातेगांव : मचवास एवं मनोरा के जंगलों पर लकड़ी माफियों का कब्जा

खातेगांव ■ निसं

खातेगांव वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मचवास एवं मनोरा के जंगल इन दिनों लकड़ी माफिया के कब्जे में नजर आ रहे हैं। क्षेत्र में एक बार फिर बड़े पैमाने पर सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। जंगलों में कटे हुए पेड़ों के ठूंठ यह साबित कर रहे हैं कि वन संपदा पर लगातार हमला जारी है, लेकिन इसके बावजूद वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी कार्रवाई करने के बजाय मौन बने हुए हैं।

वन प्राणी अभिरक्षक जगदीश बिश्नोई एवं समाजसेवी किशन खिलेरी ने वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लकड़ी माफिया से सांठगांठ के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कटे हुए सागौन के पेड़ों के ठूंठों के फोटो और वीडियो सार्वजनिक करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच तथा दोषी वनकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

उनका कहना है कि वन परिक्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में लकड़ी माफिया बेखौफ होकर सागौन के कीमती पेड़ों की कटाई कर रहे हैं, जिससे वन संपदा को भारी नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही पर्यावरण संतुलन पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। वन विभाग की उदासीनता के कारण जंगलों में अवैध कटाई का सिलसिला लगातार जारी है।

मशीन से सागौन के विशाल पेड़ काट दिए

मामला मचवास और मनोरा बीट का बताया जा रहा है, जहां सड़क किनारे से महज 100 मीटर की दूरी पर कटर मशीन की मदद से सागौन के विशाल पेड़ काट दिए गए। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी घटना की भनक तक वन विभाग को नहीं लगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी इन बीटों में सागौन कटाई के मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई के अभाव में अवैध कटाई थमने का नाम नहीं ले रही है। मामले में वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

5 दिन से लापता था इंजीनियर, अब मिली लाश

उज्जैन। नरवर थाना क्षेत्र के केसूनी मार्ग पर शनिवार दोपहर बिहार के एक इंजीनियर की लाश मिली है। इंजीनियर एक क्रेशर मशीन शिफ्टिंग के लिए यहां आया था और पिछले 5 दिनों से लापता था। पुलिस के मुताबिक प्रथमदृष्टया मामला सडक हादसे का प्रतीत हो रहा है। पुलिस के मुताबिक सेठीनगर निवासी कुलदीप पंवार की पिपलोदा द्वारकाधीश में क्रेशर स्टोन खदान है। खदान में लगी मशीन को शिफ्ट करने के लिए उन्होंने मूल रूप से बिहार के रहने वाले इंजीनियर संजीव पिता सुधीर पंडित को बुलाया था। संजीव 20 मई को उज्जैन आया था। 31 मई की रात संजीव खदान संचालक कुलदीप की एक्टिवा लेकर पिपलोदा द्वारकाधीश से सेठी नगर के लिए निकला था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचा। मोबाइल भी स्विच ऑफ मिला।

फांसी के फंदे पर लटका मिला पीएचई कर्मचारी

उज्जैन। नगर निगम में पीएचई कर्मचारी रविवार सुबह घर में ही फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजन उसे लेकर तुरंत जिला अस्पताल लाए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना नीमनवासा में रहने वाले ओमसिंह पिता केसरसिंह मालवीय (45) के साथ हुई है। सुबह उसका भाई देवकरण पानी की मोटर चालू करने आया तो उसे बरामदे में ओमसिंह लटका मिला।

इंदौर में मना पोहा डे

कैलाश विजयवर्गीय ने चाव से खाया पोहा, कहा- न्यूयार्क में भी फेमस

इंदौर ■ निसं

7 जून को पोहा डे के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है. इसी कड़ी में इंदौर के राजवाड़े पर आज यानि बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं के द्वारा पोहा डे सेलिब्रेट किया गया। जिसमें कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौरी पोहे को लेकर कई तरह की जानकारी दी। साथ ही उनका कहना था कि पोहे के कारण स्वास्थ्य को भी किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होती है।

वहीं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से कहा कि ₹जब मैं दौरे पर ग्वालियर और गुना गया, तो वहां पर प्रत्येक दुकान पर इंदौरी पोहा लिखा था। यानी की इंदौर का पोहा आज प्रदेश के साथ थी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी फेमस हो चुका है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि जब मैं न्यूयॉर्क गया तो होटल ताज में रुका था तो वहां पर भी मुझे इंदौरी पोहा खाने को मिला।

इंदौर में 7 जून को पोहा डे

इंदौर के प्रसिद्ध खानपान के व्यंजनों में से एक पोहा आज विश्व स्तर पर अपनी पहचान बन चुका है। इसी के चलते हर साल 7 जून को इंदौर के शहरवासियों के द्वारा पोहा डे के रूप में इसे सेलिब्रेट किया जाता है। इसी कड़ी में इंदौर के राजबाड़ा पर बड़ी संख्या में आज पोहा लवर इकट्ठा हुए और पोहे की क्या विशेषता है उसके बारे में जानकारी दी। वहीं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी इंदौर के राजवाड़े पर होने वाले इस अनूठे कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

गौ आहार में मिलावट की जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

इंदौर ■ निसं

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने पशु आहार में कथित मिलावट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से इसकी व्यापक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि पशु आहार में निर्धारित मानकों के विपरीत रासायनिक तत्वों या यूरिया जैसी सामग्री का उपयोग किया जा रहा है तो इससे गौवंश के स्वास्थ्य के साथ-साथ दुग्ध गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

संजय अग्रवाल ने जारी बयान में कहा कि विभिन्न रिपोर्टों में कुछ पशु आहार उत्पादों में मानकों के उल्लंघन संबंधी बातें सामने आई हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गौवंश भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए पशुओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित आहार उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

उन्होंने आशंका जताई कि निम्न गुणवत्ता वाले पशु आहार के उपयोग से पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे दूध उत्पादन और उसकी गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर वैज्ञानिक अध्ययन और सरकारी जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से मांग की है कि पशु आहार बनाने वाली कंपनियों के उत्पादों की नियमित लैब जांच कराई जाए तथा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। संगठन ने प्राकृतिक एवं पारंपरिक पशु चारे को बढ़ावा देने, किसानों को प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन देने तथा दूध की गुणवत्ता जांच की व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग की है।

ब्यूटी प्रोडक्ट की फ्रेंचाइजी के नाम पर 1.20 करोड़ का फ्रॉड

इंदौर ■ निसं

मध्य प्रदेश में इन दिनों कंपनियों की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर फ्रॉड के मामले सामने आ रहे हैं. ताजा मामला इंदौर का है, जहां व्यापारियों को ब्यूटी प्रोडक्ट की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर धोखाधड़ी की गई है। कथित तौर पर दिल्ली की दो कंपनी के डायरेक्टर को इंदौर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पिछले दिनों इंदौर क्राइम ब्रांच को इंदौर के रहने वाले फरियादी ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत की थी। इसी के बाद क्राइम ब्रांच ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

इंदौर के व्यापारियों को फ्रेंचाइजी देने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को इंदौर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया, 'पिछले दिनों इंदौर की रहने वाली रितु मेहता द्वारा शिकायत दर्ज करवाते हुए, बताया गया कि फेसबुक और सोशल मीडिया के माध्यम से एक ब्यूटी प्रोडक्ट से संबंधित विज्ञापन देखा था। इसके बाद उन्होंने संबंधित विज्ञापन में जो नंबर था, उस पर संपर्क किया तो दिल्ली की डॉक्टर हरोर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर से बातचीत हुई। उन लोगों ने इंदौर में ब्यूटी प्रोडक्ट और वैलनेस सेंटर की फ्रेंचाइजी देने की बात कही और तकरीबन 1 करोड़ 20 लाख रुपए ले लिए।'

दूसरी बार उज्जैन पंहुची गुजराती गायिका किंजल दवे

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा महाकाल के दरबार में रविवार तड़के दो जाने-माने चेहरे भक्ति के रंग में रंगे नजर आए. गुजराती संगीत जगत की मशहूर गायिका किंजल दवे और जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री मोनल गज्जर तड़के होने वाली भगवान महाकाल की भव्य भस्म आरती में शामिल होने उज्जैन पहुंचीं। दोनों कलाकारों ने पूरे नियमों और श्रद्धा भाव के साथ बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया और मंदिर परिसर में कुछ समय बिताकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया।

सिंहस्थ की तैयारी तेज, विकास परियोजनाओं की होगी कड़ी परीक्षा

उज्जैन ■ निसं

तीन साल की लंबी प्रतीक्षा और कड़े संघर्ष के बाद आखिरकार शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने वाले "नमामी गंगे मिशन" को केंद्र सरकार से हरी झंडी तो मिल गई है, लेकिन अब प्रशासन और निर्माण एजेंसी के सामने इससे भी बड़ी अग्निपरीक्षा शुरू होने जा रही है। गाजियाबाद (उत्तरप्रदेश) की सोमवंशी एनवायरो फर्म को 81 करोड़ रुपये का टेंडर मंजूर होने के बाद, अब सबसे बड़ा संकट सिंहस्थ-2028 की समय-सीमा के भीतर इस पूरी परियोजना को धरातल पर उतारने का है।

टेंडर की शर्तों के मुताबिक, इस पूरी परियोजना को पूरा करने के लिए 18 महीने का समय

निर्धारित है। लेकिन तकनीकी और वित्तीय उलझनों के कारण जो परियोजना दो साल पहले शुरू हो जानी थी, उसमें तीन साल की भारी देरी हो चुकी है। इस लेती-लतीफी के कारण अब प्रशासन के पास समय बहुत कम बचा है।

शहर के भीतर सिंहस्थ महाकुंभ की तैयारियों को लेकर सड़क चौड़ीकरण, नए घाटों का निर्माण, पुल, सीवरेज नेटवर्क और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े दर्जनों विकास कार्य एक साथ समानांतर रूप से चल रहे हैं। ऐसे में अलग-अलग निर्माण एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय बैठाना और बिना किसी बाधा के समयबद्ध तरीके से काम को अंजाम देना जिला प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती साबित होगा। यदि इस बार भी काम समय पर पूरा नहीं हुआ, तो सिंहस्थ से पहले शिप्रा शुद्धिकरण का मुख्य लक्ष्य सीधे तौर पर प्रभावित हो सकता है।

पीएलसी-स्काडा आधारित मानिटरिंग और 15 साल का मेंटेनेंस

इस हाईटेक परियोजना के तहत पीलियाखाल क्षेत्र में 22.06 एमएलडी क्षमता का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और भैरवगढ़ क्षेत्र में 2.38 एमएलडी क्षमता का एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित होगा। बता दे कि अभी भैरवगढ़ क्षेत्र में बाटिक प्रिंट इकाइयों का केमिकल युक्त पानी सीधे शिप्रा में मिलता है, प्लांट लगने के बाद नहीं मिलेगा। योजना अनुसार दो सीवेज पंपिंग स्टेशन, दो एफ्लुएंट पंपिंग स्टेशन, 1420 मीटर राइजिंग मेन और 3500 मीटर एफ्लुएंट पाइपलाइन बिछाई जाएगी। जल की शुद्धता की रियल-टाइम जांच के लिए अत्याधुनिक पीएलसी-स्काडा आधारित मानिटरिंग सिस्टम लगेगा। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए यह प्लांट सौर ऊर्जा आधारित सुविधाओं से लैस होगा। खास बात यह है कि निर्माण पूरा होने के बाद संबंधित एजेंसी ही अगले 15 वर्षों तक इसके संचालन और रख-रखाव का पूरा जिम्मा संभालेगी। केंद्र सरकार ने तो ठेकेदार तय करने को स्वीकृति दे दी मगर एमआइसी यानी महापौर परिषद से स्वीकृति मिलना अभी बाकी है। ये स्वीकृति कब मिलेगी, स्वीकृति उपरांत कार्य आदेश कब जारी होगा, कब भूमि पूजन होगा, ये अभी तय नहीं हो सका है।

भैरवगढ़ की रंगाई-छपाई फैक्ट्रियों और पीलियाखाल का गंदा पानी अब सीधे शिप्रा नदी में नहीं मिलेगा। सीवेज का पूर्ण उपचार होने से नदी की जल गुणवत्ता में अभूतपूर्व सुधार होगा।

92.78 करोड़ की थी प्रशासनिक स्वीकृति, 81 करोड़ में हुआ टेंडर लॉक

शिप्रा नदी में मिलने वाले भैरवगढ़ और पीलियाखाल क्षेत्र के दूषित पानी को रोकने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने 24 मई 2023 को ही 92 करोड़ 78 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी थी। जून 2023 में महापौर परिषद से हरी झंडी मिलने के बाद चार फर्मों ने निविदा में भाग लिया, लेकिन कड़ी परीक्षण प्रक्रिया के चलते पूर्व के सभी प्रस्ताव निरस्त करने पड़े। इसके बाद इसी साल फरवरी में संशोधित दरों के साथ फिर से टेंडर बुलाए गए।

लापरवाह कंसल्टेंट और अफसरों पर भी कार्रवाई करने को कहा

इंदौर ■ निसं

नगर निगम द्वारा एलआईजी लिंक रोड के लिए मालवीय नगर में सडक निर्माण कार्य कराया जा रहा है और सडक निर्माण में कार्य देरी पर कल निरीक्षण करने पहुंचे निगम्मुयक्त भडक गए। उन्होंने संबंधित कंपनी पर पैनल्टी लगाने के साथ-साथ लापरवाह कंसल्टेंट और अधिकारियों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए।

नगर निगम द्वारा एलआईजी लिंक रोड की कई बाधाएं हटाने के बाद अब वहां सडक निर्माण कार्य शुरू कराया गया थे। सबसे ज्यादा मालवीय नगर गली नंबर 2 में तोडफोड़ हुई थी और बड़ी संख्या में मकान, दुकान के हिस्से तोड? के बाद नगर निगम ने वहां सडक निर्माण कार्य शुरू कराया था। अभी भी वहां कई हिस्सों में लाइनें बिछाने के ही काम चल रहे हैं। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर और कई अन्य अधिकारियों के साथ मालवीय नगर में चल रहे सडक निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे तो वहां कई हिस्सों में धीमी गति से काम चलता पाया गया। इस पर कमिश्नर ने अफसरों को फटकार लगाई और वहां निर्माण कार्य कर रहे हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी के खिलाफ पैनल्टी लगाने को कहा। कमिश्नर ने कहा कि काफी समय से धीमी गति से काम चल रहा है और उन्होंने कंसल्टेंट को भी फटकार लगाई और निर्माण कार्य में देरी पर उन्होंने कंसल्टेंट के साथ-साथ लापरवाही अधिकारियों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अफसरों से कहा कि सडक निर्माण के दौरान वे पूरे समय इसकी मानिटरिंग करें।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्राफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे। बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ विदर्भ के अमन मोखाड़े और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा बल्लेबाजों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा। गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को शामिल किया गया है। गुरनूर बरार को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जीशान अंसारी, सारांश जैन और आलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में टीम की ताकत बढ़ाएंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

श्रेयस नहीं शुभमन को बनाना था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है।

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग: जबलपुर रायल लायंस के शेरों के आगे पिंक पैंथर्स ढेर

अजय का आकर्षक अर्धशतक, रितिक और संजोग की आतिशी पारियों ने इंदौर को हराया

इंदौर ■ एजेंसी

स्थानीय होल्कर स्टेडियम में खेले जा रहे मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल-2026) के सातवें मुकाबले में शुक्रवार को जबलपुर रायल लायंस ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए इंदौर पिंक पैंथर्स को 5 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस टूर्नामेंट में इंदौर की यह लगातार दूसरी हार है, जिससे टीम की आगे की राह अब कठिन हो गई है। इंदौर द्वारा दिए गए 149 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को जबलपुर ने मात्र 18 ओवरों में 5 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया। जबलपुर की इस धमाकेदार जीत के सामने इंदौर की गेंदबाजी रणनीति पूरी तरह असहाय और नाकाम नजर आई।

जबलपुर रायल लायंस के आलराउंडर रितिक टाडा को उनके शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया। उन्होंने पहले गेंदबाजी में किफायत बरतते हुए 1 महत्वपूर्ण विकेट झटका और फिर बल्लेबाजी में इंदौर के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 27 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के जड़कर 47 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली।

इससे पहले जबलपुर रायल लायंस के कप्तान राहुल बाथम ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पिच से मिल रही शुरुआती मदद का जबलपुर के गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। बल्लेबाजी का आमंत्रण पाकर उतरी इंदौर की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार खाता खोले बिना ही पुनीत दाते का शिकार बने, जबकि करण तहलियानी (4) और अथर्व जोशी (8) भी सस्ते में पवेलियन लौट गए।

इस संकटपूर्ण स्थिति में कप्तान वेंकटेश अय्यर ने मोर्चा संभाला और 40 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 33 रनों की संयमित कप्तानी पारी खेली। मध्यक्रम में सिद्धांत अग्रवाल ने 15 रन और सारांश सुराना ने मात्र 11 गेंदों में तेजी से 22 रन बटोरे। अंतिम ओवरों में शिवम शुक्ला के 28 रन और शुभम राठौर की नाबाद 24 रनों की उपयोगी पारियों की बदौलत इंदौर ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 148 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। जबलपुर की ओर से तेज गेंदबाज पंकज पटेल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि राहुल बाथम को दो, पुनीत दाते और ऋतिक टाडा को एक-एक सफलताएं मिलीं।

जवाब में 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जबलपुर की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ खाता खोले बिना आउट हो गए, जिसके बाद अभिषेक भंडारी भी 6 रन बनाकर चलते बने। दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अजय रोहेरा और रितिक टाडा ने इंदौर के गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोला।

अजय रोहेरा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 41 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 51 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। दूसरे छोर से रितिक टाडा ने इंदौर के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 27 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के जड़कर 47 रन कूट डाले। इन दोनों के आउट होने के बाद मैच थोड़ा रोमांचक मोड़ पर पहुंचा, लेकिन संजोग निज्जार ने इंदौर की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। निज्जार ने मात्र 13 गेंदों में नाबाद 23 रन बनाए और 18वें ओवर में शिवम शुक्ला की गेंदों पर दो गगनचुंबी छक्के जड़कर टीम को 12 गेंदें शेष रहते ही 5 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी। कप्तान राहुल बाथम 3 रन बनाकर नाबाद लौटे।

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग : पूजा के तूफान में उड़ा भोपाल वुल्व्स, चंबल घड़ियल्स की एकतरफा जीत

इंदौर ■ एजेंसी

एमपीएल सिंधिया कप 2026 के महिला वर्ग में शनिवार को डेली कालेज मैदान पर एकतरफा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय स्टार खिलाड़ी पूजा वस्त्राकार के तूफानी अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने भोपाल वुल्व्स को 43 रनों के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। चंबल की इस धमाकेदार जीत की सूत्रधार पूजा रहीं, जिन्होंने भोपाल के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल घड़ियल्स की शुरुआत सधी हुई रही। सलामी बल्लेबाज कनिष्का ठाकुर ने तेजी से रन बटोरते हुए 18 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 26 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद मैदान पर उतरीं पूजा वस्त्राकार ने भोपाल के गेंदबाजों पर धावा बोल दिया।

पूजा ने मैदान के चारों ओर आकर्षक स्ट्रोक्स खेलते हुए महज 35 गेंदों में 180.00 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। रहिला फिरदौस की 21 रनों की उपयोगी पारी की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 153 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भोपाल की ओर से संस्कृति गुप्ता और ऋषिता परिहार ने 2-2 विकेट चटकाए। 154 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल वुल्व्स की टीम चंबल के गेंदबाजों की सटीक लाइन-लेंथ के सामने शुरू से ही दबाव में नजर आई। सलामी बल्लेबाज रोशनी कुमारी (21 रन) और मध्यक्रम में संस्कृति गुप्ता (21 रन) ने विकेट पर टिकने का प्रयास जरूर किया, लेकिन वे रन गति को बढ़ाने में पूरी तरह नाकाम रहीं। चंबल घड़ियल्स की ओर से वैष्णवी सिंह ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उनका बखूबी साथ निभाते हुए अदिति पंवार ने 21 रन देकर 2 विकेट और रचना यादव ने 27 रन देकर 2 विकेट चटकाकर भोपाल की कमर तोड़ दी।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अभाविप के प्रस्ताव को दी मंजूरी, पंजाब विवि में बनेगा ओलंपिक स्तर का सिंथेटिक ट्रैक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों की सुविधाओं में विस्तार के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। पंजाब विश्वविद्यालय में लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वहां ओलंपिक मानक वाले सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण को मंजूरी दे दी है। आगामी दो से तीन महीनों में इस परियोजना पर जमीनी काम शुरू होने की उम्मीद है।

यह निर्णय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद आया है। शनिवार देर शाम अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने खेल मंत्री से मुलाकात की और देश में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ज्ञापन सौंपा।

अभाविप ने वर्ष 2036 में भारत की संभावित ओलंपिक मेजबानी की तैयारियों से लेकर ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के लिए कई सुझाव दिए, जिन पर खेल मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाया।

इनमें ओलंपिक की तैयारियों के लिए अभी से एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा विकसित करने की मांग, प्रत्येक राज्य में खेल विश्वविद्यालयों की स्थापना और हर जिले में खेल उत्कृष्टता केंद्र व मल्टी-स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स का निर्माण, देश के दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों से खेल प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए विशेष अभियान, एथलीटों के लिए स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा सुनिश्चित करना, एक 'राष्ट्रीय डिजिटल एथलीट पोर्टल' का निर्माण और 'माई भारत' वालंटियर्स के मानदेय में वृद्धि करना शामिल है।

केंद्रीय खेल मंत्री ने अभाविप द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सुझाए गए 'स्पोर्ट्स सामग्री बैंक' के आइडिया की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस योजना पर सरकार जल्द ही सकारात्मक कदम उठाएगी ताकि संसाधनों के अभाव में कोई प्रतिभा पीछे न छूटे।

राष्ट्रीय महामंत्री (अभाविप) के डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि भारत की युवा शक्ति हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। यदि इन्हें आधुनिक खेल अवसंरचना और वैज्ञानिक प्रशिक्षण मिले, तो भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता। खेल सिर्फ पदक जीतने के लिए नहीं बल्कि युवाओं में अनुशासन और राष्ट्रभावना जगाने का माध्यम हैं।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि सरकार ज्ञापन में उठाए गए अधिकांश मुद्दों पर पहले से ही काम कर रही है और बाकी के सुझावों पर भी गंभीरता से विचार कर जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

व्यापार

टॉप 10 में शामिल सात कंपनियों का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ से अधिक गिरा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सात कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि तीन कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई।

इनमें सबसे अधिक नुकसान देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में दूसरा स्थान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने हासिल किया। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची तीन कंपनियों के मार्केट कैप में 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) सबसे आगे रही, जबकि आईसीआईसीआई बैंक दूसरे स्थान पर रही।

इस सप्ताह के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 1,25,670.23 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में 21,278.42 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए चार दिन के कारोबार के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 39,718 करोड़ रुपये घट कर 17,47,321.40 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 7,95,346.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 18,736.04 करोड़ रुपये कम होकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) का मार्केट कैप 16,880.20 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 14,610.74 करोड़ रुपये फिसल कर 5,05,873.32 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 9,681.36 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,53,580.97 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 5,909.23 करोड़ रुपये घट कर 4,98,301.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

दूसरी ओर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 12,692.09 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 9,02,523.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 4,101.47 करोड़ रुपये उछल कर 11,50,743.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,47,321.40 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 11,50,743.31 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,96,150.49 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 9,05,074.77 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 9,02,523.63 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 7,95,346.09 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,53,580.97 करोड़ रुपये), लार्सन एंड टूब्रो (कुल मार्केट कैप 5,43,956.44 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,05,873.32 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 4,98,301.31 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

अमेरिका के रिटेल सेक्टर से भारतीय आईटी कंपनियों को राहत, पर खतरा बरकरार

नई दिल्ली। अमेरिका की बड़ी रिटेल कंपनियों का कारोबार सुधर रहा है और तकनीक पर खर्च भी बढ़ रहा है। इससे भारतीय आईटी कंपनियों को नए प्रोजेक्ट मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर दबाव भी बढ़ सकता है। अमेरिका में उपभोक्ताओं का खर्च मजबूत बना हुआ है। लोग अभी भी खरीदारी कर रहे हैं, खासकर आनलाइन और कम कीमत वाले उत्पादों पर। इसी वजह से कई बड़ी रिटेल कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला है। अधिकांश कंपनियों ने पूरे साल के लिए अपने अनुमान बरकरार रखे हैं या उन्हें बढ़ाया है। कास्टको, वालमार्ट और टारगेट जैसी कंपनियों ने तिमाही के दौरान मजबूत प्रदर्शन किया। आनलाइन बिक्री में तेजी और उपभोक्ताओं की लगातार खरीदारी ने इनके कारोबार को सहारा दिया। वहीं मैसीज़ और बेस्ट बाय जैसी कंपनियों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। हालांकि कंपनियां अभी भी पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं। उन्हें चिंता है कि टैक्स रिफंड का फायदा धीरे-धीरे खत्म होगा, जबकि ऊंची ऊर्जा कीमतें और वैश्विक तनाव आगे कारोबार को प्रभावित कर सकते हैं। रिटेल कंपनियों की रणनीति में एक बड़ा बदलाव यह देखने को मिला है कि अब एआई सिर्फ प्रयोग या पायलट प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। कंपनियां इसे सीधे अपने कारोबार में लागू कर रही हैं ताकि लागत कम हो, कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़े और मुनाफा सुधरे। यानी एआई अब खर्च बढ़ाने वाली तकनीक नहीं, बल्कि कमाई बढ़ाने और मार्जिन सुधारने का जरिया बनता जा रहा है। यही बदलाव भारतीय आईटी कंपनियों के लिए चुनौती भी बन सकता है। अब कई ऐसे काम, जो पहले बड़ी आईटी टीमों के जरिए किए जाते थे, एआई की मदद से तेजी और कम लागत में पूरे हो रहे हैं।

हफ्तेभर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स-निफ्टी की चाल ने बढ़ाई निवेशकों की धड़कनें

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह बेहद अस्थिर और चुनौतीपूर्ण रहा। सप्ताहभर सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी खरीदारी ने बाजार को संभाला तो कभी वैश्विक चिंताओं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निवेशकों का मूड बिगाड़ दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक ने बाजार की दिशा पर गहरा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रही। सोमवार को सेंसेक्स 74,981 अंक तक पहुंच गया था और निफ्टी 23,600 के पार निकल गया था। लेकिन यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कारोबार के दौरान भारी मुनाफावसूली देखने को मिली और सेंसेक्स 508 अंकों की गिरावट के साथ 74,267 अंक पर बंद हुआ। दिनभर में 1,164 अंकों का उतार-चढ़ाव निवेशकों की बेचैनी को दर्शाता रहा। मंगलवार को बाजार ने मजबूत वापसी की। शुरुआती दबाव के बावजूद निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ी और सेंसेक्स 382 अंकों की छलांग लगाकर 74,649 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,483 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आईटी और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि बुधवार को फिर माहौल बदल गया। अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बढ़ी अनिश्चितता और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाया। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 700 अंकों से अधिक टूट गया और अंततः 304 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में भारी अस्थिरता रही। सेंसेक्स 74,544 के उच्च स्तर और 73,807 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। अंत में यह मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन निवेशकों की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति पर रही। शुरुआती तेजी के बावजूद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई और सेंसेक्स 116 अंक गिरकर 74,243.34 पर बंद हुआ।

घरेलू सर्राफा बाजार में थमा नहीं गिरावट का दौर, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को जबरदस्त गिरावट का रुख नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज सोना 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में सोने की कीमत में 2,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,740 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बावजूद अभी भी चेन्नई में सोना सबसे महंगा बना हुआ है। सोना की तरह ही चांदी की कीमत में भी आज 9,900 रु.प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आ गई है।

साप्ताहिक आधार पर देखें तो पिछले सप्ताह के कारोबार में सोना की कीमत में कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 4,690 रु.प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 4,300 रु.प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चांदी के भाव में भी पिछले सप्ताह के कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के कारण चांदी पिछले सप्ताह के भाव की तुलना में 15 हजार रु.प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,52,760 रु. प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,910 रु. प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,000 रु.प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,000 रु. प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,65,000 रु. प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,910 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,150 रु.प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,760 रु.प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,000 रु.प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,810 रु.प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,050 रु.प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अगले सप्ताह सिर्फ एक कंपनी के आईपीओ की लॉन्चिंग, 6 कंपनियों के शेयर होंगे लिस्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सोमवार यानी आठ जून से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह सिर्फ एक कंपनी अपना आईपीओ लॉन्च कर रही है। ये आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इस सप्ताह मेनबोर्ड सेगमेंट का कोई आईपीओ नहीं खुलने वाला है। इस इकलौते आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह खुले चार आईपीओ में भी इस सप्ताह निवेशक बोली लगा सकेंगे। इन चार आईपीओ में से तीन एसएमई सेगमेंट के हैं, जबकि एक आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है। इस सप्ताह छह कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं।

इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 12 जून को हॉरिजॉन रिक्लेम इंडिया का 54.27 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 16 जून तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 98 रुपये से लेकर 103 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 19 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है।

इस नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह चार जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले वाह केमिकल्स के 13.45 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 11 जून को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 6.48 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है।

इसी तरह चार जून को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले यूएचएम वैकेसन के 36.02 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानी आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 157 रुपये प्रति शेयर से लेकर 166 रुपये प्रति सेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 11 जून को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। अभी तक इस पब्लिक इश्यू को 66 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है।

इसके अलावा पिछले सप्ताह पांच जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हेक्सागॉन न्यूट्रिशन के 138.87 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार यानी नौ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 42 रुपये प्रति शेयर से लेकर 45 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 333 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 जून को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेपरलीक प्रकरण में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं: आठवले

वाराणसी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने देश में लगातार हो रही परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों और पेपर लीक के मामलों से विरोधी दलों के साथ छात्रों के निशाने पर आए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव किया। केन्द्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान या किसी अन्य को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन सरकार को इससे सीख लेकर भविष्य में इस तरह की गड़बड़ियां न हो, इस पर भी काम करने की जरूरत है। केन्द्रीय मंत्री रविवार को वाराणसी में सर्किट हाउस में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पेपर लीक करने वालों को खिलाफ सख्त प्रावधान करने जा रही है और जो भी लोग भी इस लीक मामले में शामिल रहे हैं, उन्हें सख्त सजा दी जाएगी। इस मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल पर निशाना साधते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी भ्रम फैला रहे है। वह संविधान की किताबें लेकर चलते हैं, लेकिन संविधान की बातें नहीं करते हैं। कांग्रेस पर समाज में फूट डालने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस की सरकारों ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट वर्षों तक दबाए रखा। विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार जब आई तो उन्होंने सिफारिश को लागू कर हर वर्ग के साथ सामाजिक न्याय किया।

बंगाल में भी लागू होगी 'आयुष्मान भारत', केंद्र-राज्य सरकार के बीच समझौता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार सोमवार को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' में शामिल होने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी। इसके साथ ही बंगाल इस विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने वाला देश का 36वां राज्य बन जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार इस योजना के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के बीच नई दिल्ली के विज्ञान भवन में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा करेंगे। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव, अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव और पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज (माध्यमिक और तृतीयक चिकित्सा) के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मिलता है।

ट्रंप के प्रमुख एआई सलाहकार कृष्णन ने दिया इस्तीफा

वाशिंगटन। अमेरिका में व्हाइट हाउस के आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) सलाहकार श्रीराम कृष्णन ने अपने पद से हटने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह केवल आगामी जून तक ही इस पद पर अपनी सेवाएं दे सकेंगे। कृष्णन ने अपने 18 महीने के संक्षिप्त लेकिन बेहद प्रभावी कार्यकाल के दौरान अमेरिका का पूरा एआई एक्शन प्लान तैयार करने में केंद्रीय भूमिका निभाई। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग के लिए एक मजबूत नेशनल फ्रेमवर्क विकसित करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए श्रीराम कृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि एक छोटे से ब्रेक के बाद वह एक बार फिर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के सामने एआई की वजह से पैदा हुई चुनौतियों को कम करने के मिशन पर जुटेंगे। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य का जिक्र करते हुए कहा कि अभी एआई से जुड़े कई जटिल और गंभीर मुद्दे हमारे सामने हैं, जिनमें डेटा सेंटरों का तेजी से होता विस्तार और उससे होने वाली भारी ऊर्जा की खपत शामिल है।

24 अरब डालर की फ्रीज संपत्ति जारी करने पर अड़ा तेहरान

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी युद्ध और कूटनीतिक गतिरोध को खत्म करने के लिए चल रही बातचीत अब सिर्फ एक बड़ी शर्त पर आकर अटक गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच वार्ता वर्तमान में डेडलाक यानी गंभीर गतिरोध में फंस गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बातचीत को अब आगे बढ़ाने और गतिरोध को तोड़ने की पूरी जिम्मेदारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर करती है। ईरान के अनुसार, किसी भी संभावित शांति समझौते को अमलीजामा पहनाने के लिए सबसे बड़ी और अनिवार्य शर्त विभिन्न देशों में वर्षों से फ्रीज (जब्त) पड़ी 24 अरब डालर की ईरानी संपत्तियों को तत्काल मुक्त करना है।

बंगाल से दिल्ली तक सियासी ड्रामा

टीएमसी में बगावत तेज गुप्त ठिकाने पर ममता की पार्टी के 20 सांसदों की सीक्रेट मीटिंग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में मचा सियासी घमासान अब कोलकाता से दिल्ली पहुंच गया है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के 28 लोकसभा सांसदों में से करीब 20 सांसद दिल्ली के एक गुप्त स्थान पर ठहरे हुए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी और उनके भतीजे और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली में मौजूद हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन 20 सांसदों के बीच दो प्रमुख विकल्पों पर चर्चा चल रही है। पहला- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर यह मांग करना कि उन्हें अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले संसदीय दल से अलग एक स्वतंत्र समूह के रूप में मान्यता दी जाए। दूसरा विकल्प- जिस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, वह सामूहिक इस्तीफा देने का है।

टीएमसी के भीतर जारी इस राजनीतिक उथल-पुथल ने पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी है। अगर सांसदों का यह समूह किसी एक विकल्प पर आगे बढ़ता है तो इसका असर ना केवल पार्टी की संसदीय ताकत पर पड़ेगा बल्कि पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

इससे पहले तृणमूल के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने पार्टी की प्राथमिकता सदस्यता और राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया था।

रॉय ने अपने बयान में कहा, हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में राज्य के लोगों ने पहली बार भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में भारी जनादेश दिया है। यह जनादेश टीएमसी के 15 वर्षों के अराजक शासन को समाप्त करने के उद्देश्य से दिया गया है जो व्यापक और बेलगाम भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, कानून-व्यवस्था और रोजगार जैसे क्षेत्रों में गंभीर विफलताओं से चिह्नित रहा है।

उन्होंने आगे कहा, इस बीच नव-निर्वाचित जन सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र के अनुरूप पश्चिम बंगाल के समग्र विकास और पुनर्निर्माण के लिए पहल शुरू कर दी है।

उन्होंने आगे कहा, जनता के इस ऐतिहासिक जनादेश का सम्मानपूर्वक स्वीकार करते हुए मैंने आज राज्यसभा (काउंसिल ऑफ स्टेट्स) की सदस्यता और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

पार्टी में बढ़ते असंतोष को नियंत्रित करने की कोशिश में ममता बनर्जी ने संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। हालांकि अभिषेक बनर्जी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बने हुए हैं। लेकिन राज्यसभा सांसद डेरेक ओब्रायन और डोला सेन को संयुक्त राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। राजनीतिक गलियारों में इस कदम को ममता बनर्जी द्वारा संगठनात्मक फैसलों में अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के प्रभाव को सीमित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। टीएमसी के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा, च्ममता बनर्जी पहले ही समझ चुकी थीं कि पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच सबसे ज्यादा असंतोष अभिषेक बनर्जी को लेकर है। संगठनात्मक फेरबदल के दौरान उन्होंने डेरेक ओब्रायन और डोला सेन जैसे वरिष्ठ नेताओं को अभिषेक की सहायता के लिए जगह दी। अब वह पार्टी के भीतर अपनी पकड़ मजबूत करने और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी विश्वसनीयता दोबारा स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही हैं।

गरीब कल्याण और मानव सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता रहे हैं -प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने अनेक परिवर्तनकारी बदलाव देखे हैं और इन बदलावों के केंद्र में गरीबों तथा वंचित वर्गों का कल्याण रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित होकर काम कर रही है और यह सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास किया गया है कि विकास का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जो लंबे समय तक मुख्यधारा के विकास से वंचित रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों के दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना रहा है। उन्होंने कहा कि जन धन खाते, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी पहलों का लक्ष्य लोगों को गरिमा, सुरक्षा और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं ने समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इन पहलों के माध्यम से करोड़ों लोगों को बैंकिंग सुविधाएं, आवास, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार आया है। पीएम मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी ने गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से गड़बड़ियों में कमी आई है, प्रशासनिक दक्षता बढ़ी है और शासन व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण के लिए शुरू की गई पहलें अब केवल सरकारी योजनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि मानव सशक्तिकरण का व्यापक अभियान बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह सामूहिक प्रयास विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में देश को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्टों की एक श्रृंखला में कहा कि पिछले 12 वर्षों में हुए बदलावों के केंद्र में गरीबों और वंचितों का कल्याण रहा है। उन्होंने दोहराया कि सरकार का लक्ष्य विकास को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है और इसी सोच के साथ विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है।

अटारी बॉर्डर पर ए.आर. रहमान ने पहली बार दी लाइव प्रस्तुति

चंडीगढ़। अटारी बॉर्डर स्थित जेसीपी स्टेडियम में रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम 'जय हो – ए ट्रिब्यूट टू द ब्रेवहार्ट्स' का आयोजन किया गया। 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म की टीम द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में विश्वविख्यात संगीतकार और ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान ने पहली बार अटारी बॉर्डर पर आयोजित बीटिंग द रिट्रीट समारोह के दौरान लाइव प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम देश के वीर जवानों और उनकी सेवाओं को समर्पित रहा।

किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता: डॉ. इन्द्रेश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इन्द्रेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता है और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ विचारों का होना अनिवार्य है।

डॉ. इन्द्रेश कुमार ने यह बात दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में शुक्रवार को स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन के सूत्रों को समाहित करने वाली पुस्तक 'निरोगता के सूत्र – गुरबाणी एवं श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में ' के लोकार्पण के दौरान कही। पुस्तक के लेखक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ स्वयंसेवक डॉ. शाम लाल कठपालिया के जीवन, व्यक्तित्व एवं चिंतन को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन भारतीय संस्कृति, सेवा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण रहा है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. इन्द्रेश कुमार ने कहा, ' अहित करने के लिए व्यक्ति को अपने भीतर ईर्ष्या, क्रोध और नकारात्मक भावों को स्थान देना पड़ता है, जो अंततः तन और मन दोनों को अस्वस्थ बनाते हैं।'

उन्होंने डॉ. शाम लाल कठपालिया के साथ बिताए अपने अनेक संस्मरण साझा किए तथा पुस्तक की विषयवस्तु को वर्तमान समय के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दधीचि देह दान समिति के संस्थापक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि 'स्व' का वास्तविक अर्थ ईश्वर है और मनुष्य का लक्ष्य अपने भीतर स्थित उस दिव्यता को पहचानना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहाँ 'स्व' है, वहीं वास्तविक स्वास्थ्य और निरोगता है। उन्होंने पुस्तक को भारतीय जीवन-दर्शन और स्वास्थ्य चेतना का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया।

अमेरिकी सेना का ईरान के रडार ठिकानों पर हमला, कुवैत बहरीन में मिसाइल अलर्ट

वाशिंगटन/तेहरान ■ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के तटीय क्षेत्र में स्थित कुछ रडार और निगरानी ठिकानों को निशाना बनाकर कार्रवाई की, जबकि ईरान ने इसे युद्धविराम का उल्लंघन बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार हार्मुज जलडमरूमध्य के आसपास समुद्री गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। अमेरिकी सेना का दावा है कि क्षेत्र में सक्रिय कुछ ड्रोन अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए संभावित खतरा पैदा कर रहे थे। इसके बाद अमेरिकी बलों ने ईरान के गोरुक क्षेत्र और केशम द्वीप के पास स्थित निगरानी ढांचे पर लक्षित हमले किए। ये दोनों स्थान हार्मुज जलडमरूमध्य के समीप स्थित हैं और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाते हैं। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाला कदम बताया। मंत्रालय का कहना है कि इस तरह की सैन्य गतिविधियां पहले से मौजूद संघर्षविराम व्यवस्था की भावना के विपरीत हैं और इससे क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। संगठन ने यह भी कहा कि हार्मुज क्षेत्र में कुछ जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की गई, हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। कुवैत की सेना ने बताया कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने देश के हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ रही कई बैलिस्टिक मिसाइलों को निष्क्रिय कर दिया। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, मिसाइलों के अवशेष कुछ रिहायशी इलाकों में गिरे, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

661 करोड़ के गबन मामले में सीबीआई ने तेज की जांच

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन के विभिन्न विभागों के धन के कथित गबन से जुड़े 661 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में शनिवार को चंडीगढ़, पंचकूला और दिल्ली-एनसीआर में छह स्थानों पर छापा मारा है। इस दौरान हरियाणा कैडर के वरिष्ठ लोकसेवकों, एक निजी कंपनी और उसके निदेशक से जुड़े परिसरों की तलाशी ली गई।

सीबीआई के अनुसार, जांच में सामने आया है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू फाइनेंस बैंक के माध्यम से सरकारी धन का कथित दुरुपयोग किया गया। हरियाणा के आठ विभागों और चंडीगढ़ के दो विभाग नगर निगम चंडीगढ़ और सीआरईएसटी चंडीगढ़ के खातों से धन की अनियमित निकासी और स्थानांतरण किया गया।

मोबाइल गेमिंग की लत ने बर्बाद किया परिवार, पिता-बहन की हत्या

मां को चाकू मारने के बाद नाबालिग ने की खुदकुशी की कोशिश

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कर्नाटक से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक नाबालिग बच्चे की मोबाइल गेमिंग की लत ने पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया। कोप्पल जिले में शनिवार देर रात एक 17 साल के लड़के ने अपने पिता और बहन की हत्या कर दी। लड़के ने अपनी मां को घायल कर दिया और बाद में खुद को मारने की कोशिश की। लड़का मोबाइल गेमिंग का आदी था। पुलिस ने बताया कि यह घटना गंगावती तालुक के अयोध्या गांव में रात करीब 10.30 बजे हुई।

मरने वालों की पहचान 45 वर्षीय वेंकट नायडू और उनकी 19 वर्षीय बेटी प्रगति के रूप में हुई। वेंकट नायडू एक प्राइवेट स्कूल में सुपरवाइजर के तौर पर काम करते थे। वेंकट नायडू की 38 वर्षीय पत्नी सौजन्या हमले में गंभीर रूप से घायल हैं और उनका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। नाबालिग आरोपी का भी अभी इलाज चल रहा है। घर में सब एक साथ रहते थे।

पुलिस ने वेंकट नायडू के पिता थाटा राव की शिकायत के आधार पर गंगावती ग्रामीण पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) और 109 (हत्या की कोशिश) के तहत केस दर्ज किया। शिकायत के आधार पर कोप्पल के पुलिस सुपरिटेंडेंट राम एल अरासिद्दी ने कहा कि परिवार ने शनिवार रात करीब 9 बजे खाना खाया। बाद में रात करीब 10.30 बजे एक कमरे से तेज़ आवाज़ आई और थाटा राव ने दरवाज़ा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह अंदर से बंद था। थाटा राव ने अपनी शिकायत में कहा कि पड़ोसियों की मदद से दरवाज़ा खोला गया और चारों खून से लथपथ पाए गए। उन्होंने कहा कि लड़के को मामूली चोटें आईं, जबकि दूसरों को चाकू से गंभीर चोटें आईं। थाटा राव ने अपनी शिकायत में कहा कि सौजन्या ने उन्हें बताया था कि उनके बेटे ने हमले के दौरान उन्हें चाकू मारा था और खुद को मारने की भी कोशिश की थी, लेकिन कामयाब नहीं हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि थाटा राव ने आरोप लगाया कि लड़के को मोबाइल गेमिंग की लत थी और अगर कोई खेलते समय उससे बात करता तो वह आसानी से गुस्सा हो जाता था।

अमेरिका की मध्यस्थता से इजराइल और लेबनान के बीच वाशिंगटन में सशर्त सीजफायर दिखावा

इजराइल के हवाई हमले में लेबनान के सैन्य प्रमुख ब्रिगेडियर रुडोल्फ समेत 12 की मौत

बेरूत (लेबनान) ■ एजेंसी

अमेरिका की मध्यस्थता से इजराइल और लेबनान के बीच वाशिंगटन में घोषित सशर्त सैन्य विराम (युद्ध विराम, सीजफायर) दिखावा साबित हुआ। इजराइल के ताजा हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में लेबनान के सैन्य प्रमुख भी शामिल हैं।

अधिकारियों ने पुष्टि की कि सैन्य प्रमुख , एक कैप्टन और एक सैनिक की मौत हो गई। इनकी मौत खारदली-नबातीह रोड पर यात्रा के दौरान हुई। सैन्य प्रमुख को पाकिस्तान पहुंचना था। पाकिस्तान पहुंचने से पहले ही उनकी जान ले ली गई। लेबनान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देश के सैन्य प्रमुख (सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ) ब्रिगेडियर जनरल रुडोल्फ हैकल को निशाना बनाने को देश की संप्रभुता पर हमला करार दिया है। इस हमले की कई देशों ने भी कठोर निंदा की है।

इजराइल ने छह जून को लेबनान पर कहर बरपाया। लेबनान की सेना ने पुष्टि की है कि इजराइल के हवाई हमले में खारदली-नबातिह रोड पर अभेद्य माना जाने वाला सैन्य वाहन नष्ट हो गया। इसमें सवार सेना के सर्वोच्च कमांडर , कैप्टन और एक सैनिक मारे गए। इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि यह हमला सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ। इस क्षेत्र में आवाजाही के लिए इजराइली सेना के साथ तालमेल जरूरी है। आईडीएफ ने कहा इस घटना की जांच की जा रही है।लेबनानी सेना ने कहा, इजराइल की जानबूझकर और बार-बार की जा रही क्रूरता और आक्रामकता का मकसद किसी समाधान तक पहुंचने की सभी कोशिशों को नाकाम करना है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे लेबनान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों व नियमों का खुला उल्लंघन बताया। प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इसे एक घिनौना अपराध और लेबनान तथा सभी लेबनानी लोगों पर हमला करार दिया। लेबनान के प्रधानमंत्री सलाम ने बयान में ब्रिगेडियर जनरल वसम सबरा, कैप्टन एली खौरी और सैनिक हुसैन घोजल के परिवारों और सहयोगियों के साथ-साथ लेबनानी सेना के प्रति भी संवेदना व्यक्त की।

अहमदाबाद में 28.94 लाख की फर्जी करेंसी बरामद, 6 गिरफ्तार

अहमदाबाद ■ एजेंसी

गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद में पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय नकली नोट के रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 28.94 लाख रुपये की फर्जी भारतीय मुद्रा बरामद की। इस मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। खास बात यह है कि यूपी और राजस्थान तक फैले इस पूरे नेटवर्क का खुलासा किसी आर्थिक अपराध की जांच से नहीं बल्कि एक हत्या के मामले की जांच के दौरान हुआ।

अहमदाबाद शहर पुलिस के जोन-8 के डीसीपी मयूर पाटिल ने शनिवार को मीडिया को बताया कि वटवा पुलिस थाने में दर्ज एक हत्या के मामले की जांच के दौरान पुलिस को नकली नोटों के कारोबार से जुड़े अहम सुराग मिले थे। जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड इमरान सब्बीर सिंधा था, जिसने वटवा स्थित सतेज होम्स में एक मकान किराए पर लेकर नकली नोट छापने का पूरा सेटअप तैयार किया था। पुलिस जांच के अनुसार इमरान सिंधा ने मार्च 2026 से कंप्यूटर, कलर प्रिंटर, लैपटॉप और अन्य आधुनिक उपकरणों की मदद से 500-500 रुपये के नकली नोट छापने का काम शुरू किया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि गिरोह अब तक लगभग 60 लाख रुपये की फेस वैल्यू वाली नकली नोटें तैयार कर चुका था और उन्हें बाजार में असली नोटों की तरह खपाने का प्रयास कर रहा था। मामले में उस समय नया मोड़ आया जब मुख्य आरोपित इमरान सिंधा की किसी कारणवश मृत्यु हो गई।

कल आसमान में होगा 'ग्रहों का महामिलन', उंगली के फासले पर दिखेंगे शुक्र और बृहस्पति

भोपाल ■ अमृत दर्शन

8 से 10 जून के बीच शाम को पश्चिमी आकाश में शुक्र और बृहस्पति ग्रह एक-दूसरे के बेहद करीब दिखाई देंगे। 9 जून को दोनों ग्रहों का सबसे करीबी कंजंक्शन होगा। इस दुर्लभ खगोलीय घटना को बिना टेलीस्कोप के भी आसानी से देखा जा सकेगा।

अंतरिक्ष प्रेमियों और खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए यह सप्ताह खास होने वाला है। 8 से 10 जून के बीच शाम के समय पश्चिमी आकाश में एक बेहद खूबसूरत और दुर्लभ खगोलीय घटना देखने को मिलेगी। इस दौरान सौर मंडल के दो सबसे चमकीले ग्रह- शुक्र (वीनस) और बृहस्पति (जुपिटर) एक-दूसरे के बेहद करीब नजर आएंगे।

एक-दूसरे के करीब आते दिखाई देंगे 8 ग्रह: राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त खगोल विज्ञान प्रसारक सारिका घारू के अनुसार, दोनों ग्रह 8 जून से एक-दूसरे के करीब आते दिखाई देंगे, जबकि 9 जून को उनका सबसे करीबी कंजंक्शन देखने को मिलेगा। खगोल विज्ञान की भाषा में कंजंक्शन उस स्थिति को कहा जाता है, जब पृथ्वी से देखने पर दो खगोलीय पिंड एक-दूसरे के बेहद नजदीक दिखाई देते हैं।

पृथ्वी पर बनेगी ऐसी स्थिति

सारिका घारू ने बताया कि वास्तविकता में शुक्र और बृहस्पति के बीच करोड़ों किलोमीटर की दूरी है, लेकिन पृथ्वी से देखने पर इनकी स्थिति ऐसी बनेगी कि दोनों ग्रह लगभग साथ-साथ नजर आएंगे। 9 जून की शाम दोनों ग्रहों के बीच की कोणीय दूरी घटकर लगभग 1.5 से 1.6 डिग्री रह जाएगी। उन्होंने इसे समझाने के लिए बताया कि यदि कोई व्यक्ति अपना हाथ सीधा फैलाकर छोटी उंगली आसमान की ओर उठाए, तो दोनों ग्रह उस उंगली की चौड़ाई के भीतर दिखाई देंगे। यही कारण है कि यह खगोलीय घटना बेहद आकर्षक मानी जा रही है।

यात्रियों को आकर्षित करने की नई पहल

भोपाल मेट्रो में पहली बार डीजे पार्टी, सफर के साथ मनोरंजन का तड़का

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल मेट्रो में पहली बार आयोजित डीजे और मनोरंजन कार्यक्रम में करीब 100 लोगों ने हिस्सा लिया। मेट्रो प्रशासन की सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स पहल के तहत हुए इस आयोजन को यात्रियों को मेट्रो से जोड़ने की दिशा में एक नए प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है।

यात्रियों की संख्या बढ़ाने और मेट्रो को लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की दिशा में भोपाल मेट्रो में रविवार को अनोखी पहल देखने को मिली। पहली बार मेट्रो कोच के भीतर संगीत, डांस और मनोरंजन से जुड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। करीब 100 प्रतिभागियों ने मेट्रो के सफर को

पार्टी में बदल दिया और पूरे रूट पर गीत-संगीत का आनंद लिया।

मेट्रो सफर बना मनोरंजन का मंच: जरा हटके इवेंट्स और बॉस लेडी भोपाल के संयुक्त आयोजन में एम्स मेट्रो स्टेशन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रतिभागियों के लिए पहले विभिन्न मनोरंजक और फिटनेस आधारित गतिविधियां कराई गईं। इसके बाद सभी ने मेट्रो में सफर किया, जहां डीजे की धुनों पर युवाओं और महिलाओं ने जमकर उत्साह दिखाया।

गेम्स और एक्टिविटी से हुई शुरुआत: आयोजकों ने कार्यक्रम को केवल डांस तक सीमित नहीं रखा। स्टेशन परिसर में प्रतिभागियों के लिए आइस ब्रेकिंग सेशन, रिफ्लेक्स गेम्स, बॉल बैलेंस और अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं। विजेताओं को उपहार और फूड कूपन भी दिए गए।

पुराने-नए गीतों पर झूमे प्रतिभागी: मेट्रो के भीतर बॉलीवुड, पंजाबी और पार्टी सॉन्ग्स का मिश्रण सुनाई दिया। सफर के दौरान प्रतिभागियों ने सेल्फी लीं, वीडियो बनाए और संगीत के साथ पूरे जोश से कार्यक्रम में हिस्सा लिया। एम्स स्टेशन से सुभाष नगर स्टेशन तक और वापसी के सफर में माहौल उत्सव जैसा बना रहा।

सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स को मिला नया मंच: आयोजकों का कहना है कि भोपाल मेट्रो की 'सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स' योजना से प्रेरित होकर इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। सभी आवश्यक अनुमतियों और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आयोजन किया गया। मेट्रो प्रबंधन ने भी इसमें सहयोग दिया।

यात्रियों को जोड़ने की कोशिश: मेट्रो प्रशासन का मानना है कि ऐसी गतिविधियों से लोग सार्वजनिक परिवहन के प्रति आकर्षित होंगे। इसी उद्देश्य से मेट्रो में प्री-वेडिंग शूट, जन्मदिन समारोह और अन्य आयोजनों की अनुमति भी दी जा रही है। प्रशासन का कहना है कि यह पहल शहर की बदलती जीवनशैली और नागरिकों की नई अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर शुरू की गई है।

ट्विशा केस: फंदे की पहचान करने वाले का रिकॉर्ड तक नहीं मिला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा डेथ केस की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अब मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। इस बीच, सीबीआई जांच से पहले हुई स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मृतका की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह द्वारा जबलपुर हाईकोर्ट में पेश किए गए दस्तावेजों से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जांच से जुड़े बेहद गोपनीय और अहम तथ्य पहले ही उन तक पहुंच रहे थे। इसी का फायदा उठाकर वह समय रहते अग्रिम जमानत लेने में कामयाब हो गई थीं, जिसे बाद में 27 मई को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था।

शुरुआती जांच में पुलिस की बड़ी लापरवाही: ट्विशा के परिजनों की ओर से भोपाल कोर्ट में पैरवी कर रहे एडवोकेट अंकुर पांडे का आरोप है

कि शुरुआत में ही मृतका की सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को संदिग्ध माना जाना चाहिए था, लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। मामले से जुड़े दस्तावेजों के अनुसार, 13 मई 2026 की सुबह सब इंस्पेक्टर (SI) दिनेश शर्मा ने फंदे की रस्सी तो जब्त की, लेकिन लिखापढ़ी में उस व्यक्ति का स्पष्ट विवरण ही दर्ज नहीं किया गया जिसने रस्सी की पहचान की थी। इसके अलावा, उस महत्वपूर्ण रस्सी को तुरंत फॉरेंसिक जांच के लिए एम्स अस्पताल भेजने के बजाय सब इंस्पेक्टर ने अपनी निजी कार में रख दिया था और बाद में उसे जांच के लिए भेजा गया। इतनी बड़ी लापरवाही के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इसके अलावा, केस डायरी का हिस्सा रहे जब्ती से जुड़े दस्तावेज भी आरोपियों तक पहुंच गए थे। कानूनी नियमों के मुताबिक, उस समय समर्थ और गिरिबाला आरोपी नहीं थे, इसलिए उन्हें इन दस्तावेजों को देखने का कोई अधिकार नहीं था। इसके बावजूद अग्रिम जमानत याचिका के साथ इन गोपनीय दस्तावेजों को अदालत में दाखिल कर दिया गया, जिससे साफ है कि जांच की जानकारी लीक हो रही थी।

मनोचिकित्सक से पूछताछ और मेडिकल पर्चे की जांच

केस को आगे बढ़ाते हुए सीबीआई की टीम ने अब ट्विशा का इलाज करने वाले प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉक्टर सत्यकांत त्रिवेदी से विस्तृत पूछताछ की है। दरअसल, आरोपी पक्ष ने भोपाल कोर्ट में कुछ ऐसे मेडिकल दस्तावेज पेश किए थे, जिनमें दावा किया गया था कि ट्विशा मानसिक रूप से परेशान थी और उसका मनोरोग का इलाज चल रहा था।

सीबीआई अब इन मेडिकल पर्चों की असलियत खंगाल रही है। जांच एजेंसी ने डॉक्टर से पूछा कि ट्विशा कब-कब इलाज के लिए आई थी, उसे क्या समस्याएं थीं और काउंसलिंग के दौरान उसने अपनी निजी जिंदगी को लेकर क्या बातें साझा की थीं। इस पूछताछ पर डॉक्टर सत्यकांत त्रिवेदी ने सीबीआई से संपर्क की पुष्टि की है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीज की गोपनीयता और उसके अधिकारों को देखते हुए वह काउंसलिंग की व्यक्तिगत बातों का खुलासा सार्वजनिक रूप से नहीं कर सकते।

पूर्व जज की सुरक्षा को लेकर जेल प्रशासन अलर्ट: मामले में गिरफ्तारी के बाद 29 मई को रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह को भोपाल की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। शुरुआत में दोनों को जेल के अस्पताल वार्ड में वीआईपी ट्रीटमेंट मिलने के आरोप लगे थे, जिसके बाद जेल प्रबंधन ने उन्हें सामान्य बैरक में शिफ्ट कर दिया है। अदालत के निर्देश के बाद जेल में गिरिबाला सिंह की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

हमीदिया अस्पताल परिसर स्थित प्रेरणा सेवा ट्रस्ट ने अपना 32वां स्थापना दिवस मनाया

ट्रस्ट की स्थापना 7 जून 1994 को स्वर्गीय सरदार दयाल सिंह सलूजा की जन्म जयंती पर की गई थी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पिछले 32 वर्षों से ट्रस्ट अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों की निःस्वार्थ सेवा कर रहा है। ट्रस्ट द्वारा चाय-नाश्ता, दोनों समय का भोजन, दूध-दलिया, वस्त्र, दवाइयां, व्हीलचेयर, वॉकर, चिकित्सा जांच सहायता, रैन बसेरा, एंबुलेंस सेवा तथा मरीजों के परिवहन हेतु ई-रिक्शा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में दो प्याऊ भी संचालित किए जा रहे हैं। रैन बसेरा में ठहरने वाले मरीजों के परिजनों को निःशुल्क नाश्ता एवं दोनों समय का भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है।

स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राकेश मालवीय, प्रोफेसर, गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अध्यक्ष, मध्य प्रदेश मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन तथा डॉ. जीवन सिंह मीणा रहे। अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया।

अपने संबोधन में डॉ. मालवीया ने कहा कि प्रेरणा सेवा ट्रस्ट वर्षों से

जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को संवेदनशील सहयोग प्रदान कर रहा है। शासकीय व्यवस्थाओं के अतिरिक्त जहां भी सहायता की आवश्यकता होती है, वहां ट्रस्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत रहने के समय से ही वे ट्रस्ट की सेवाओं को देखते आ रहे हैं और आज भी संस्था उसी समर्पण भाव से कार्य कर रही है।

इस अवसर पर समन्वय ग्रुप, भोपाल एवं दीनी वेलफेयर सोसायटी, औरंगाबाद (महाराष्ट्र) को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विजय कुमार जैन, कन्हैयालाल गोदानी, श्रीमती ललिता खाव्या, ताराचंद जैन एवं श्री जगजीत सिंह (पिंटे जी) को उनकी विशिष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए ट्रॉफी एवं सम्मान-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्टी शिव मोहन माथुर ने किया। माथुर ने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य अस्पताल में आने वाले जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट की सचिव श्रीमती कमलदीप सलूजा ने आभार व्यक्त किया।

अंडरवियर लेकर प्रदर्शन में पहुंचे ऑटो ड्राइवर, बोले- किराया बढ़े

भोपाल के छावनी पठार में प्रदर्शन, पेट्रोल-सीएनजी बढ़ने का विरोध जताया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की बढ़ी कीमतों के बाद अब टैक्सी-ऑटो चालक किराया बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। भोपाल में भी यह मांग उठ रही है। सोमवार सुबह रायसेन रोड स्थित छावनी पठार में कई ऑटो चालक इकट्?ठा हुए और अंडरवियर लेकर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि ईंधन इतना महंगा हो गया है कि अंडरवियर खरीदने तक के रुपए नहीं है। इसलिए सरकार किराया बढ़ाए।

रायसेन रोड स्थित शनि मंदिर के पास आयोजित धरना प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। ऑटो संगठन के

अध्यक्ष संजू अहिरवार ने बताया, यदि सीएनजी वाला ऑटो है तो उसमें एक दिन में 500 रुपए की गैस भरवाते हैं। इसके बदले 1200 रुपए का धंधा होता है। बाकी बचे 700 रुपए में से बचत, ऑटो की किश्त भी शामिल हैं। मुश्किल से 500 रुपए की नहीं बचते हैं। इसलिए ऑटो का किराया बढ़ाने की मांग सरकार से की है।

जैन समाज के 8 दिवसीय बाल युवा शिक्षण शिविर का समापन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

जैन समाज के 8 दिवसीय जैन बाल युवा शिक्षण शिविर का समापन हुआ, सभी को सम्मानित किया गया द्यप्रतिदिन बच्चे अभिषेक पूजा के साथ कर रहे जैन सिद्धांत के पालन के साथ आध्यात्मिकता के साथ संस्कृति और संस्कारों को आत्म सात कर रहे थे। शिविर प्रभारी मोहित बड़कुल ने बताया समाज के उच्च शिक्षित युवा द्वारा जीवन को सात्विक विचार धारा के साथ सरल रूप में जीने की शैली सिखाई जा रही थी। बाल एवं युवा शिक्षण शिविरमें बच्चों द्वारा अपनी हॉबी के अनुसार कला का प्रदर्शन किया गया । इनमें प्रमुख प. अशोक मांगुलकर, प. रितेश शास्त्री इंदौर

पंडित सौरभ अहमदाबाद पंडित आयुष दिल्ली पंडित मुक्तेश अशोक नगर पंडित आर्जव सिवनी आदि विद्वानों द्वारा दी जा रही हैशिविर में प्रत्येक आयु वर्ग के लोग शामिल थे । मुख्य उद्देश परस्पर सहयोग की भावना के साथ भारत की अमूल्य संपदा संस्कृति संस्कारों की रक्षा करना है। इस अवसर पर मुमुक्षु मंडल के अध्यक्ष अशोक जैन मंत्री देवेंद्र बड़कुल राजीव मोदी अनुभव जैन आशुतोष जैन संजीव मोदी अक्षय बड़कुल अचीत सोगानी मुस्कान सोगानी अंतरा भारिल सहित अनेक युवा सहयोग रहा।

सरदार पटेल का योगदान सदा याद रखा जाएगा-आलोक शर्मा

सांसद ने यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भारतीय जनता पार्टी के भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने गुरूवार को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भोपाल-सीहोर लोकसभा की यूनिटी मार्च पदयात्रा के समापन अवसर पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीहोर के शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान (भोपाल नाका) से शुरू हुई। इसके पूर्व सांसद आलोक शर्मा ने एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पौधारोपण किया।

पदयात्रा में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। पदयात्रा में विधायक सुदेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, जिला अध्यक्ष नरेश मेवाडा, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सीताराम यादव, भाजपा नेता सन्नी महाजन, राजकुमार गुप्ता, सुदीप प्रजापति सहित कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक, मातृशक्ति एवं युवा शक्ति शामिल रहे।

सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं। उनके इस महान योगदान को देश में सदा याद रखा जाएगा। सांसद शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों को देश में विलय कराया।

एक अनोखे महाराज, एक अनोखी राम कथा

जहाँ श्रद्धालुओं को भेंट किए जाते हैं 'राम पत्थर'

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आज के समय में जहाँ अधिकांश धार्मिक आयोजनों में केवल प्रवचन और भजन तक ही सीमित अनुभव मिलता है, वहीं प्रतिकेश्वर जी महाराज की राम कथा एक अनोखी पहचान बना रही है। उनकी कथा में श्रद्धालुओं को केवल रामकथा सुनने का अवसर ही नहीं मिलता, बल्कि उन्हें एक विशेष 'राम पत्थर' भी प्रदान किया जाता है, जिस पर 'राम' नाम अंकित होता है।

महाराज जी का मानना है कि रामकथा केवल सुनने की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन में उतारने का माध्यम है। इसी उद्देश्य से कथा के दौरान श्रद्धालुओं को राम नाम अंकित पत्थर दिया जाता है, ताकि वे अपने घर में प्रतिदिन भगवान श्रीराम का स्मरण कर सकें।

राम पत्थर का आध्यात्मिक महत्व: सनातन परंपरा में 'राम' नाम को स्वयं भगवान के स्वरूप के समान माना गया है। रामायण में वर्णन मिलता है कि भगवान श्रीराम की सेना द्वारा समुद्र पर बनाए गए सेतु के निर्माण में पत्थरों पर राम नाम लिखने से वे जल पर तैरने लगे।

प्रतिकेश्वर जी महाराज कहते हैं– पत्थर केवल पत्थर नहीं है, यह आपके और भगवान श्रीराम के बीच एक प्रतिज्ञा है। जिस दिन राम नाम जीवन से हट जाता है, उसी दिन मनुष्य भीतर से खाली होने लगता है।

राम पत्थर श्रद्धालुओं को यह संदेश देता है कि चाहे जीवन में कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, यदि राम नाम का सहारा बना रहे तो व्यक्ति कभी अकेला नहीं होता।

राम पत्थर का वैज्ञानिक दृष्टिकोण: वैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो कोई भी प्रतीक या धार्मिक चिह्न व्यक्ति के मनोविज्ञान पर गहरा प्रभाव डालता है।

जब कोई व्यक्ति प्रतिदिन अपने घर में रखे राम पत्थर को देखता है, उस पर लिखे राम नाम का स्मरण करता है, तो उसका मन सकारात्मक विचारों की ओर केंद्रित होता है। मनोवैज्ञानिक इसे 'विजुअल एंकरिंग' (Visual Anchoring) कहते हैं।

यह प्रक्रिया व्यक्ति को– तनाव कम करने में सहायता करती है। नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करती है। आत्मविश्वास बढ़ाती है। आध्यात्मिक अनुशासन विकसित करती है। दैनिक जीवन में संयम और धैर्य लाती है।

अर्थात राम पत्थर केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सकारात्मक मानसिकता का एक साधन भी बन जाता है।

राम नाम मिटे तो फिर लिखिए: राम पत्थर की सबसे अनोखी विशेषता यह है कि समय के साथ उस पर लिखा हुआ 'राम' नाम धीरे-धीरे हल्का पड़ सकता है या मिट सकता है। लेकिन प्रतिकेश्वर जी महाराज इसे एक गहरा आध्यात्मिक संदेश मानते हैं।

वे कहते हैं– 'यदि राम नाम मिट जाए तो उसे दोबारा लिखो। फिर मिटे तो फिर लिखो। जब तक जीवन है तब तक राम नाम लिखते रहो। क्योंकि मनुष्य भी बार-बार भटकता है और बार-बार राम की ओर लौटता है।'

महाराज जी के अनुसार राम नाम को पुनः लिखने की प्रक्रिया स्वयं में एक साधना है। यह व्यक्ति को याद दिलाती है कि जैसे पत्थर पर राम नाम बार-बार लिखना पड़ता है, वैसे ही जीवन में भी बार-बार स्वयं को धर्म, सत्य और सदाचार की ओर लौटाना पड़ता है।

श्रद्धालुओं के अनुभव

राजेश शर्मा (भोपाल)

'राम पत्थर को घर लाने के बाद मैंने प्रतिदिन राम नाम लिखना शुरू किया। पहले मन बहुत अशांत रहता था, लेकिन अब मानसिक शांति का अनुभव होता है।'

श्रीमती सुनीता अग्रवाल (इंदौर)

'घर में अक्सर तनाव का वातावरण रहता था। राम पत्थर स्थापित करने और परिवार के साथ राम नाम लिखने की आदत बनने के बाद वातावरण में सकारात्मक बदलाव आया।'

विनोद जैन (विदिशा)

'मैं व्यवसाय में लगातार परेशानियों का सामना कर रहा था। महाराज जी से प्रेरणा लेकर राम नाम का स्मरण शुरू किया। सबसे बड़ा परिवर्तन मेरे आत्मविश्वास में आया।'

श्रीमती रेखा दुबे (सीहोर)

'राम पत्थर मेरे लिए केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि दैनिक पूजा का हिस्सा बन गया है। अब दिन की शुरुआत राम नाम से होती है।'

संदीप अग्रवाल (ग्वालियर)

पहले कथा सुनकर घर लौट आते थे और कुछ दिनों बाद सब भूल जाते थे। लेकिन राम पत्थर हर दिन मुझे कथा का संदेश याद दिलाता है।

क्यों बन रही है यह राम कथा विशेष?: प्रतिकेश्वर जी महाराज की कथा केवल सुनने तक सीमित नहीं रहती। यहाँ श्रद्धालुओं को एक ऐसा प्रतीक मिलता है जो कथा समाप्त होने के बाद भी उनके जीवन में राम नाम की ज्योति जलाए रखता है।

जहाँ अन्य स्थानों पर लोग कथा की स्मृतियाँ लेकर लौटते हैं, वहीं यहाँ लोग अपने साथ राम नाम का संकल्प लेकर जाते हैं।

शायद यही कारण है कि आज अनेक श्रद्धालु इस राम कथा को केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन परिवर्तन का माध्यम मानने लगे हैं।

निष्कर्ष: राम पत्थर कोई चमत्कारिक वस्तु नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अभ्यास है। यह हमें प्रतिदिन याद दिलाता है कि जीवन की हर परिस्थिति में भगवान श्रीराम के आदर्श, मर्यादा और नाम का स्मरण करते रहना चाहिए।

प्रतिकेश्वर जी महाराज का संदेश सरल है– 'राम नाम मिटे तो उसे फिर लिखो, क्योंकि जीवन में सबसे बड़ी साधना बार-बार भगवान की ओर लौटना है।'

और शायद इसी संदेश के कारण उनकी राम कथा आज हजारों श्रद्धालुओं के हृदय में एक विशेष स्थान बना रही है।

प्रतिकेश्वर जी महाराज की राम कथा: केवल कथा नहीं, राम नाम को जीवन में उतारने का एक अभियान।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई.नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436 ।